हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार, 3 मार्च 2025

नई आबकारी नीति पर मुहर, फॉरेन लीकर पर एक्सट्रा ड्यूटी खत्म, 1 अप्रैल से सस्ती होगी शराब!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में रविवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की नई आबकारी नीति को मंजूर कर लिया गया। नई नीति में दुकानें तो यथावत रहेंगी, पर विदेशी शराब में एक्सट्रा ड्यूटी को खत्म कर दिया गया, इससे संभव है कि पहली अप्रैल से विदेशी शराब सस्ती हो जाए। बैठक में रजिस्ट्र अधिनियम में बदलाव के प्रारूप को भी मंजूरी दे दी गई यानी राज्य में 1908 से लागू रजिस्ट्री अधिनियम बदला जाएगा। इस काम के लिए राज्य सरकार ने रजिस्ट्रीकरण संशोधन अधिनियम ला रहा है। बताया गया है कि यह विधेयक अब राज्य विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में पेश किया जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद उसे अनुमति के लिए राज्यपाल के पास भेजेंगे। अनुमति मिलने के बाद से राज्य में नया रजिस्ट्री अधिनियम लागू हो जाएगा।

112 साल बाद बदलेगा छत्तीसगढ़ का रजिस्ट्री अधिनियम, कैबिनेट की मंजूरी, विधानसभा में होगा पेश

नई आबकारी नीति का अनुमोदन

मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ आबकारी नीति वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुमोदन किया गया। वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति वर्ष 2024-25 की भांति होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 674 मदिरा दुकानें तथा आवश्यकता अनुसार प्रीमियम मदिरा दुकानें संचालित करने का निर्णय भी यथावत रखा गया है। देशी मदिरा की आपूर्ति पूर्ववत रेट ऑफर प्रभावी रहेगा। विदेशी मदिरा थोक क्रय, वितरण ▶▶|शेष पेज 6 पर

रजिस्ट्री उप पंजीयक के पदों के लिए छूट

रजिस्ट्री ऑफिसों के नियमित रूप से संचालन के लिए वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग में उप पंजीयक के पदोन्नति श्रेणी के रिक्त 9 पदों की पूर्ति के लिए पांच वर्ष की अर्हकारी सेवा में एक बार के लिए छूट देन का निर्णय लिया गया।

भंडार क्रय नियम में संशोधन

राज्य में 01 नवम्बर 2024 से औद्योगिक विकास नीति 2024-30 प्रभावशील है। इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम-2002 में प्रस्तावित संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। छत्तीसगढ़ सरकार एवं व्यक्ति विकास केन्द्र इंडिया (द आर्ट ऑफ लिविंग) के मध्य आजीविका सृजन एवं ग्रामीण छत्तीसगढ़ का कल्याण विषयक एमओयू के लिए राज्य सरकार के सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अधिकृत किया गया।

धान परिवहन के लिए अनुशंसित दर मंजूर

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के समर्थन मूल्य योजना में धान एवं चावल परिवहन की दर के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की अनुशंसा दर को स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

सांबा में जंग लगी टैंक रोधी बारूदी सुरंग मिली

सांबा/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में जंग लगी एक टैंक रोधी बारूदी सुरंग मिली, जिसे बम निरोधक दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। सीमा चौकी तंवर के निकट कमोर गांव में एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार के दौरान एक ग्रामीण ने शनिवार को इस बारूदी सुरंग को देखा।

दो बाइक की टक्कर से पांच की मौत

आगरा। आगरा जिले के कागारौल इलाके में दो मोटरसाइकिल की टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। सैंया इलाके के रहने वाले चार लोग भगवान दास (35), वकील (35), राम स्वरूप (28) और सोनू (30) एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर शादी समारोह में गए थे।

किसानों को पांच रुपए में बिजली कनेक्शन

भोपाल। मप्र के सीएम मोहन यादव ने रविवार को घोषणा की कि किसानों को मात्र पांच रुपए में स्थायी बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। मध्य प्रदेश केंद्रीय विद्युत वितरण कंपनी जल्द ही इस योजना को शुरू करेगी। उन्होंने कहा, जिन किसानों के पास स्थायी बिजली कनेक्शन नहीं है, उन्हें पांच रुपये में यह सुविधा दी जाएगी।

वित्तमंत्री चौधरी आज पेश करेंगे बजट, कहा-यह विकसित छत्तीसगढ़ बनाने वाला सभी के लिए होगा

अब तक का सबसे बड़ा बजट, इंफ्रा, स्टार्टअप और एग्रीकल्चर के लिए खुलेगा खजाना

छत्तीसगढ़ राज्य के 25वें स्थापना वर्ष में राज्य सरकार का अब तक का सबसे बड़ा बजट सोमवार को पेश होगा। राज्य के वित्तमंत्री ओपी चौधरी यह बजट पेश करने वाले हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऐसा कहा जा रहा है कि युवाओं के लिए स्टार्टअप, इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्चर समेत कई सेक्टरों के लिए खजाना खोला जा रहा है। बजट के पूर्व श्री चौधरी ने उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाला बजट होगा। विकसित राष्ट्र विकसित छत्तीसगढ़ बनाने वाला बजट होगा। जीवायएएन का अगला स्टेप कल पेश होगा। यह बजट सभी वर्गों के लिए होगा, वित्त के जानकारों का अनुमान है कि यह बजट 160 से 180 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

इन क्षेत्रों पर हो सकता है सरकार का फोकस

वित्त मंत्री श्री चौधरी के बजट में सरकार की प्राथमिकता में कई क्षेत्र हो सकते है। पिछले कुछ वर्षों के बजट को देखें तो सरकार कृषि, स्वास्थ्य और शहरी व ग्रामीण विकास की योजनाओं पर अधिक खर्च करती रही हैं। मौजूदा सरकार ने अपने बजट में शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, कला और संस्कृति पर सबसे अधिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमर ने तीन साल तो रमन ने 12 साल पेश किया

2003 में बीजेपी सत्ता में आई, तब वित्त मंत्री अमर अग्रवाल ने 3 बार बजट पेश किया। मुख्यमंत्री के रूप में 2007 में रमन सिंह ने अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। 2007 से लेकर 2018 तक रमन सिंह ने वित्त विभाग को अपने पास रखा और हर साल बतौर सीएम वे बजट पेश करते रहे। इस तरह रमन सिंह ने कुल 12 बार बजट पेश किया। 2018-19 में अंतिम बजट पूश किया। उनके कार्यकाल के दौरान बजट में मूल रुप से अधोसंरचना विकास पर फोकस रहा।

बजट आने के पहले सियासत शुरू

वित्तमंत्री द्वारा सोमवार को बजट पेश करने से पहले इसे लेकर सियासत शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने एक दिन पहले ही बजट को लेकर ये बयान दिया है कि यह बजट विनाश करने वाला बजट होगा। उनके इस बयान पर वित्तमंत्री श्री चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि बजट आया नहीं, उसके पहले आलोचना कर रहे हैं, यह उनकी नकारात्मक राजनीति का परिचय है।

हरिभूमि ने उठाया था छग में महंगी शराब का मुद्दा

दूसरे राज्यों में सस्ती इसलिए हो रही तस्करी, अब रूकेगी

अवैध शराब का गढ़ छत्तीसगढ़... क्योंकि पड़ोसी राज्यों में 40 फीसदी तक सस्ती

शराब सस्ती होने के संबंध में आबकारी सचिव आर. संगीता ने मीडिया से कहा है कि आसपास के राज्यों से दूसरे प्रदेशों के लिए बनी अंग्रेजी शराब की बहुत तस्करी होती है, जिसका काफी हिस्सा पकड़ा भी जाता है। अगल-बगल के प्रदेशों में अंग्रेजी शराब का रेट काफी कम होने के कारण वहां से शराब इस राज्य में घुसपैठ करती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आबकारी शुल्क कम किया गया है।

हालांकि उन्होंने ये भी कहा, अभी यह कहना संभव नहीं है कि इससे ग्राहकों को अंग्रेजी शराब कितनी सस्ती मिलेगी, लेकिन दाम में काफी कमी आएगी। कमी का हिसाब आने वाले दिनों में लगाया जाएगा, जब छत्तीसगढ़ प्रदेश के बाहर की शराब कंपनियों से रेट कांट्रेक्ट होगा। नया रेट 1 अप्रैल से लागू होगा।

दक्षिण में बवाल के बाद बोले केंद्रीय मंत्री

राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्यों पर नहीं थोपेगी हिंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्यों पर हिंदी नहीं थोपेगी और इस संबंध में तमिलनाडु के विरोध के पीछे 'राजनीतिक कारण' हैं। प्रधान ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने एनईपी-2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। हमने केवल यह कहा है कि शिक्षा मातृभाषा पर आधारित होगी, तमिलनाडु में यह तमिल होगी। शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी एनईपी और तीन भाषा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र में टकराव के ▶▶|शेष पेज 6 पर

विभिन्न भाषाओं पर केंद्रित नई शिक्षा नीति

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनईपी-2020 भारत की विभिन्न भाषाओं पर केंद्रित है। चाहे वह हिंदी हो, तमिल हो, उड़िया हो या पंजाबी। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीति के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।

शेयर बाजार 'धोखाधड़ी' का मामला

पूर्व सेबी चीफ बुच समेत पांच पर दर्ज होगी एफआईआर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामकीय उल्लंघन के संबंध में शेयर बाजार नियामक सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत ▶▶|शेष पेज 6 पर

पहली महिला सेबी प्रमुख

भारत की पहली महिला सेबी प्रमुख बुच पर अमेरिका स्थित शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने हितों के टकराव के आरोप लगाए थे। उसके बाद राजनीतिक तनाव के बीच बुच ने शुक्रवार को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया। सेबी ने कहा कि वह 'इस आदेश को चुनौती देने ▶▶|शेष पेज 6 पर

इन पर दर्ज होगा केस

माधबी पुरी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं।

राত्रि 11.26 से 12.30 तक ही शुभ घड़ी

भद्रा का साया, होलिका दहन के लिए मिलेंगे मात्र 64 मिनट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

होलिका दहन के लिए इस बार भक्तों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा। देर रात तक इंतजार करने के बाद ही भक्तगण होलिका दहन कर सकेंगे। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 मार्च को सुबह 10.35 मिनट पर होगी और अगले दिन 14 मार्च को दोपहर 12.23 तक रहेगी। 13 मार्च को भद्रा पूंछ शाम 6.57 मिनट से रात 8.14 तक रहेगी। इसके बाद भद्रा मुख का समय शुरू हो जाएगा जो रात 10.22 मिनट तक रहेगा। इसके बाद ही होलिका दहन करना शुभ होगा।

हालांकि भद्रा 10 बजकर 22 मिनट को समाप्त हो जाएगी, लेकिन दहन के लिए 13 मार्च को रात 11 बजकर 26 से देर रात 12 बजकर 30 मिनट का समय उत्तम माना जा रहा है। इस तरह से होलिका दहन के लिए 64 मिनट का समय भक्तों को मिलेगा। पुराणों के अनुसार भद्रा सूर्य की पुत्री और शनि देव की बहन है। भद्रा क्रोधी स्वभाव की मानी गई है। इसी वजह से भद्रा के समय किसी भी काम की शुरुआत वर्जित मानी गई है। भद्राकाल में होलिका दहन करना अनिष्ठ का स्वागत करने के समान माना जाता है।

वर्ष का पहला चंद्रग्रहण

इस वर्ष होली के दिन 14 मार्च को आश कि चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। भारतीय समय अनुसार सुबह 9:27 मिनट पर उपछाया ग्रहण शुरू होगा और 10 बजकर 39 मिनट पर आंशिक और 11 बजकर 56 मिनट पर पूर्ण चंद्रग्रहण समाप्त हो जाएगा। ग्रहण का समय दिन का होने के कारण यह भारत में नजर नहीं आएगा और इसी कारण इसका असर भी भारत पर नहीं होगा। ग्रहण का प्रभाव मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, यूरोप के कई हिस्सों, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका के बड़े हिस्से सहित अन्य जगहों पर पड़ेगा।

होलाष्ट 7 से

होलाष्टक की अवधि बेहद महत्वपूर्ण होती है। यह अवधि शुभ कार्यों को करने के लिए अशुभ मानी जाती है। होलाष्टक की शुरुआत हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होती है और इसका समापन पूर्णिमा तिथि को होता है। इस बार होलाष्टक 7 मार्च को शुरू होगा और 13 मार्च को समाप्त होगा। यह समय खासतौर पर पूजा, व्रत और विशेष उपायों के लिए अत्यधिक शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान विशेष उपाय करने से जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति प्राप्त होती है।

2- MARCH- COR- MAIN- Pg- 2 DESH-VIDESH_Layout 1 3/2/2025 10:40 PM Page 1

राम मंदिर में बदलने वाले हैं दर्शन के नियम, बदला जाएगा एंट्री-एग्जिट मार्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में विराजे रामलला के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। जब अयोध्या में राम मंदिर बना और प्रभु यहां विराजे उसके बाद लाखों की संख्या में दर्शनार्थी दर्शन करने के लिए पहुंच रहे थे। महाकुंभ के भक्त भी अयोध्या की ओर प्रस्थान कर रामलला के दर्शन कर रहे थे।

पिछले एक-दो महीने में यह आंकड़ा तीन से चार लाख भक्तों का था, जो अब दो से ढाई लाख पहुंच गया है। प्रयागराज में चल रहे हैं महाकुंभ की वजह से अयोध्या के राम मंदिर में कुछ दिनों से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही थी। कुंभ खत्म होने के साथ भीड़ भी कम हो गई है। इसी को देखते हुए अब प्रवेश और निकासी के मार्ग परिवर्तित किए जाएंगे।

अब इस मार्ग से होगा आना-जाना

दूर-दूर से आने वाले भक्तों की संख्या में कमी देखने को मिली है जिसके चलते अब एक बार फिर एंट्री और एग्जिट के मार्ग बदलने की तैयारी की जा रही है। अब श्रद्धालुओं को राम जन्मभूमि पथ से मंदिर में भेजा जाएगा और अंगद टीले के पास बने द्वारा से निकासी रखी जाएगी। एंट्री और एग्जिट का मार्ग बदलने के बाद अब रामजन्मभूमि परिसर के गेट नंबर 3 को बंद किया जाएगा।

जानें कैसे होगा रामलला का दीदार

भीड़ को देखते परिवर्तित किया गया था मार्ग

आपको बता दें कि फिलहाल गेट नंबर 3 से श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करके बाहर निकलते हैं। पिछले कुछ दिनों से दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही थी। इस भीड़ में श्रद्धालु अच्छे से दर्शन कर सकें और सुरक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकें। इसके लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पदाधिकारियों से विचार विमर्श करने के बाद निकासी मार्ग बदला गया था और गेट नंबर तीन से श्रद्धालुओं को बाहर किया जा रहा था।

लागू होगी पुरानी व्यवस्था

जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आ गई है, जिसके चलते एक बार फिर पुरानी दर्शन व्यवस्था लागू की जाएगी। आने वाले दर्शनार्थी राम जन्मभूमि पथ से प्रवेश करेंगे और दर्शन करने के बाद अंगद टीले से बाहर निकल जाएंगे। श्रद्धालुओं की संख्या में आई कमी के चलते निकासी मार्ग बदलने पर विचार किया गया है।

भक्तों की संख्या हुई कम

शनिवार को राम मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या की बात करें तो 2 लाख से ज्यादा दर्शनार्थी दर्शन के लिए पहुंचे। अगर इसी तरह की संख्या रविवार को भी बनी रही तो सोमवार से निकासी अंगद टीले के पास से शुरू कर दी जाएगी। पहले जब भक्त ज्यादा आ रहे थे तो प्रवेश और निकासी मार्ग में दूरी थी। जिस वजह से पूरे पथ पर दबाव कम पड़ रहा था और दर्शनार्थी आराम से दर्शन कर पा रहे थे। अब महाकुंभ खत्म होने की वजह से भक्तों की संख्या में गिरावट हुई है।

खबर संक्षेप

पोप फ्रांसिस की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर: वेटिकन

रोम। निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की स्वास्थ्य स्थिति रविवार को स्थिर है और वह अस्पताल में विश्राम कर रहे हैं। वेटिकन ने रविवार को बताया, "पोप की रात अच्छी गुजरी। पोप अब भी विश्राम कर रहे हैं। वेटिकन ने कहा कि बुखार या सफेद रक्त कोशिकाओं के बढ़ने का कोई लक्षण उनमें नहीं था। चिकित्सकों ने शनिवार को बताया कि फ्रांसिस (88) की हालत स्थिर है, लेकिन गंभीर नहीं है। उन्होंने एक बार फिर स्वास्थ्य में सुधार जारी रहने का संकेत दिया। इससे एक दिन पहले सांस संबंधी परेशानी के कारण उन्हें 'नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन' पर रखा गया था। पोप को फेफड़े में संक्रमण के कारण 14 फरवरी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दो तस्करों से दुर्लभ नस्ल के 405 कछुए बरामद

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल की कानपुर इकाई, मैनपुरी वन विभाग और गोरखपुर वन्यजीव नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने दो संदिग्ध वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से दुर्लभ नस्ल के 405 कछुए बरामद किए हैं। टीम ने शनिवार रात उसराहार-किशनी रोड पर एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली और दुर्लभ नस्ल के 405 कछुओं सहित दो तस्करों-अमित यादव और कुलदीप चतुर्वेदी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके दो साथी-संतोष और रूप सिंह भागने में कामयाब रहे। तस्करों ने खुलासा किया है कि उन्होंने पहले भी इन कछुओं को पकड़कर आठ से 10 हजार रुपये में बेचा था।

मुख्यमंत्री धामी ने जोशीमठ पहुंचकर बचाए गए मजदूरों से की मुलाकात

चमोली में 60 घंटे जूझकर बचाए गए 46 मजदूर, 8 की मौत, रेस्क्यू समाप्त

एजेंसी ▶▶| चमौली

उत्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी की सुबह हुए हिमस्खलन में 8 लोगों की मौत हो गई है। बचावकर्मियों ने लगातार 60 घंटे तक चलाए बचाव अभियान में 46 मजदूरों को बचा लिया है। आज 4 मजदूरों के शव बचावकर्मियों को मिले हैं। इसके बाद भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों ने करीब 60 घंटे चले बचाव अभियान को खत्म कर दिया है। इस बीच बचाए गए मजदूरों ने घटना की भयावहता को बताया है।

बता दें कि चमोली में ये सभी मजदूर चमोली-बद्रीनाथ हाईवे के मरम्मत कार्य में लगे हुए थे। इनमें बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 11-11, हिमाचल प्रदेश के 7 और जम्मू-कश्मीर और पंजाब का एक-एक मजदूर शामिल हैं। हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों में 2 उत्तराखंड, 2 हिमाचल प्रदेश और 4 उत्तर प्रदेश के हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ पहुंचकर बचाए गए मजदूरों से मुलाकात की।

ठंड से सुन्न हो गए थे हाथ-पैर: मजदूर

बचाए गए मजदूरों में से एक 40 वर्षीय मनोज भंडारी ने कहा, कंटेनर ढलान से सैकड़ों मीटर दूर लुढ़क गया। उसके टुकड़े-टुकड़े हो गए। मैं और मेरे 2 साथी बर्फीली ढलान पर गिर गए। हमारे फोन, बैग और दूसरा सामान कंटेनर के साथ बह गया। बर्फ पर नंगे पांव चलते हुए सेना के अतिथि कक्ष पहुंचे। हमारे पैर ठंड से सुन्न हो गए थे और शरीर अकड़ गया था।"

ऐसा लगा जैसे दूसरा जन्म हुआ है : विपिन

हिमाचल प्रदेश के विपिन कुमार भी फिलहाल सेना के ज्योतिर्मठ अस्पताल में भर्ती हैं। वे करीब 15 मिनट तक बर्फ में दबे रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने तेज आवाज सुनी। इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता, सब दूर अंधेरा हो गया। मुझे लगा सबकुछ खत्म हो गया है। मैं बर्फ से तभी बाहर निकल पाया, जब हिमस्खलन रुक गया। ऐसा लगा जैसे मेरा दूसरा जन्म हुआ हो।

बचे हुए 4 मजदूरों की तलाश में जुटे थे 200 बचावकर्मी

चमौली हादसे में 46 मजदूरों को बचाने के बाद लापता 4 मजदूरों की तलाश में 200 बचावकर्मी रविवार की सुबह से बचाव अभियान जारी रखे हुए थे। ड्रोन, रडार सिस्टम, स्निफर डॉग और थर्मल इमेज कैमरा से टीमें मजदूरों की तलाश में जुटी थी। सेना के 6 हेलीकॉप्टर भी लगे हुए थे। बचाव अभियान के 4 घंटे बाद उन मजदूरों के शव मिल गए जिसके बाद रेस्क्यू अभियान बंद कर दिया गया।

वैज्ञानिकों की चिंता

हिमस्खलन के डर से जहां नहीं बजता है शंख, वहां चल रहे हथौड़े

बदरीनाथ धाम में नीलकंठ पर्वत, नर-नारायण, कंचन गंगा, सतोपंथ, माणा और कुबेर पर्वत स्थित हैं। इसके अलावा कई अन्य चोटियां भी हैं जो बर्फ से ढकी रहती हैं। बदरीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है। सर्वविदित है कि विष्णु भगवान को शंख प्रिय है, लेकिन बदरीनाथ मंदिर में शंख ध्वनि वर्जित है। इसके धार्मिक के साथ ही वैज्ञानिक कारण भी हैं। कहा जाता है कि शंख ध्वनि के कंपन से हिमस्खलन न हो जाए, इसके लिए मंदिर में शंख नहीं बजाया जाता है लेकिन मौजूदा समय में बदरीनाथ मास्टर प्लान के साथ ही सड़कों के निर्माण में हथौड़े से लेकर जेसीबी तक गरज रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि माणा घाटी बेहद संवेदनशील है। यहां मानवीय गतिविधियां कम से कम हों, जिससे ग्लेशियरों पर इसका बुरा असर न पड़े।

'कंटेनर हवा में उड़ रहे थे साहब' : जोशीमठ आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती मुन्ना प्रसाद ने बताया, 'ऐसा मंजर मैंने पहले कभी नहीं देखा सर। कंटेनर हवा में उठ रहे थे साहब। 6-7 कंटेनर हवा में उड़ गए। कंटेनर के साथ कुछ लोग उड़ गए थे और कुछ लोग कंटेनर से बाहर निकल गए। जो लोग कंटेनर से बाहर उड़ कर गिरे, वो ऐसे ही खुले में पड़े थे। हम किसी तरह 23 लोग बीआरओ कैंप पहुंचे। आर्मी ने हमारा काफी सहयोग किया, उनकी मदद से ही आज हम बच पाए हैं।

राज्यपाल की अपील व चेतावनी ला रही रंग

मणिपुर लोगों ने जमा कराए लूटे हुए 42 हथियार और कारतूस

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील रंग ला रही है। लोग लगातार लूटे हुए हथियार और कारतूस जमा कराने के लिए आगे आ रहे हैं। शनिवार को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, चूराचांदपुर, बिष्णुपुर और तामेंगलोंग के लोगों ने 42 हथियार और कारतूस जमा कराए। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर में दो पिस्टल, छह ग्रेनेड, 75 से अधिक कारतूस समेत पांच हथियार जमा करवाए गए। बताया जाता है कि अब तक 300 हथियार जमा कराए जा चुके हैं। कांगपोकपी में सुरक्षा बलों ने दो अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा वाकन पहाड़ी पर तीन अन्य अवैध बंकरों को ध्वस्त किया गया।

राज्य में लगा है राष्ट्रपति शासन

मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था और विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। इससे कुछ दिन पहले ही एन बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई थी। मणिपुर में भाजपा सरकार का नेतृत्व कर रहे सिंह ने करीब 21 महीने तक चली जातीय हिंसा के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इस हिंसा में अब तक 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

राज्यपाल बोले- 6 मार्च के बाद होगी सख्त कार्रवाई

राज्यपाल ने 20 फरवरी को मैतेई और कुकी समुदाय से सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियार तथा अवैध हथियार सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से सौंपने की अपील की थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि ऐसा करने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्यपाल ने लूटे गए और अवैध हथियारों को पुलिस को सौंपने की समयसीमा बढ़ाकर छह मार्च शाम चार बजे तक कर दी है। उन्होंनें कहा कि इसके बाद जिनके पास हथियार मिलेंगे उन पर कार्रवाई होगी।

- ममता के आरोपों पर चुनाव आयोग का बयान

वोटर आईडी में एक समान नंबर फर्जी मतदाता होने का संकेत नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीतें दिनों एक जैसे वोटर आईडी नंबर दिए जाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने इसके सहारे चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए फर्जी वोटर तैयार करने का आरोप लगाया था. अब इस मामले में चुनाव आयोग का जवाब आया है। ममता के आरोप पर आयोग ने कहा एक जैसे वोटर आईडी नंबर का यह मतलब नहीं है कि मतदाता फर्जी है। दो अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं को एक जैसे ही मतदाता पहचान पत्र संख्या जारी होने की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि एक जैसी संख्या होने का मतलब ये नहीं है कि मतदाता फर्जी हों।

चुनाव आयोग ने कही ये बात

चुनाव आयोग ने कहा, "ईपीआईसी' नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका मतदाता सूची में नाम दर्ज है, और कहीं और नहीं।' आयोग ने कहा कि ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, लेकिन कोई भी मतदाता सिर्फ अपने राज्य में, जहां वह बतौर मतदाता पंजीकृत है, वहीं पर अपनी विधानसभा में, अधिकृत पोलिंग स्टेशन पर ही मतदान कर सकता है।

ब्राजील की स्मगलर कोकीन के 100 कैप्सूल निगलकर भारत पहुंची

मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को एक ब्राजीलियाई महिला को देश में कोकीन की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई महिला की अवैध गतिविधियों के संबंध में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर राजस्व खुफिया निदेशालय ने की है। पूछताछ में महिला ने कोकीन की तस्करी के लिए उससे भरे 100 कैप्सूल निगलने की बात स्वीकार की है। उससे आगे की पूछताछ जारी है। इस अपराध के लिए महिला को 20 साल तक जेल की सजा हो सकती है।

महिला के पेट से निकली 1 किलो 96 ग्राम कोकीन

महिला के कबूलनामे के बाद उसे पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उसके शरीर से 1,096 ग्राम कोकीन से भरे कुल 100 कैप्सूल निकाले गए। जब्त कोकीन की कीमत अवैध बाजार में लगभग 10.96 करोड़ रुपये आंकी गई है। बता दें कि यह मादक पदार्थों की तस्करी का बेहद ही खतरनाक तरीका है। अगर, किसी कारण से कैप्सूल पेट में फट जाए तो उससे व्यक्ति की मौत भी हो सकती है।

महिला से पूछा जा रहा सप्लायर का ठिकाना

ब्राजील की इस महिला आरोपी के खिलाफ अब नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस बीच, उसके संचालक और इस ड्रग तस्करी अभियान में शामिल अन्य लोगों सहित भारत में उससे यह कोकीन लेने वालों का भी पता लगाया जा रहा है।

अब पांच रु. में मिलेगा किसानों को बिजली का 'स्थाई कनेक्शन'

तीन साल में किसानों को 30 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे

- किसानों द्वारा सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली नकद खरीदी जाएगी
- गो-शाला चलाने वालों को प्रति गाय 20 रुपए के स्थान पर 40 रुपए का अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे किसानों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत अभिवादन किया। साथ ही साफा, गज माला, शॉल-श्रीफल और प्रतीक-चिन्ह के रूप में बैलगाड़ी एवं हल की प्रतिकृति भेंट कर अभिनंदन किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रदेश के किसानों को कई बड़ी सौगातें दी। उन्होंने कहा कि किसानों को अब महज 5 रुपए में ही स्थाई बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। तीन साल में तीन लाख किसानों को सोलर पंप और किसानों को प्रति वर्ष 10 लाख कनेक्शन देने का अभियान जल्दी ही शुरू होगा। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार उनकी ओर से से सौर ऊर्जा से निर्मित बिजली खरीदी की भी पहल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को किसान आभार सम्मेलन में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के प्रत्येक अंचल से आए किसानों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने साफा, गज माला, शॉल-श्रीफल और प्रतीक-चिन्ह के रूप में बैलगाड़ी एवं हल की प्रतिकृति भेंट कर अभिनंदन किया। कृषकों की ओर से होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने समस्त अतिथिगण को स्मृति चिन्ह के रूप में राम दरबार भेंट किए।

किसानों को प्रति वर्ष 10 लाख कनेक्शन देने का अभियान जल्दी ही शुरू होगा

मध्य क्षेत्र को यह व्यवस्था तत्काल आरंभ करने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 रुपए में बिजली का स्थाई कनेक्शन उपलब्ध की व्यवस्था मध्य क्षेत्र से तत्काल शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में किसानों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों से फसल चक्र में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धान के बदले में मूंगफली और प्राकृतिक फसलों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जैविक खेती से मप्र अपनी अलग पहचान स्थापित करें। प्रदेश में उत्पादित कपास से क्रांति आने वाली है। किसान परिवार के व्यक्ति को रोजगार देने वाली टैक्सटाइल मिलों को 5 हजार रुपए का बोनस दिया जाएगा।

चार मजदूरों को बचाने जद्दोजहद, मंत्री बोले- बचने की उम्मीद काफी कम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- तेलंगाना सुरंग हादसा

तेलंगाना के नागरकुरनूल में श्रीसैलम लेफ्ट बैंक कैनाल की सुरंग धंसने से 8 मजदूर फंस गए हैं। इन्हें बचाने के लिए बीते एक हफ्ते से बचाव अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें अब जाकर बचावकर्मियों को मामूली सफलता मिली है। सुरंग में फंसे 8 में से 4 लोगों का पता लगा लिया गया है। राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने ये जानकारी दी है।

कीचड़ व पानी निकालने का काम जारी

मंत्री राव ने उम्मीद जताई कि जिन मजदूरों का पता लगा लिया गया है, उन्हें आज शाम तक बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, जहां 4 लोगों की पहचान की गई है, वहां से हाथ से गाद निकालने का काम किया जा रहा है, जिसके आज शाम तक पूरा होने की उम्मीद है। ऐसा लगता है कि बाकी 4 लोग टनल बोरिंग मशीन के नीचे फंसे हुए हैं, जिनके बारे में पता लगाने में समय लग सकता है।

अभियान रहा सफल कई मजदूर बचाए गए

मंत्री कृष्ण राव ने कहा, पिछले कुछ दिनों में अभियान में काफी प्रगति हुई है। मेरे विचार से रडार के जरिए 4 लोगों की लोकेशन का पता लगा लिया गया है। हालांकि, जब इन 4 लोगों की स्थिति के बारे में मंत्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं उनके जीवित रहने के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, क्योंकि उनके जिंदा रहने की संभावना मात्र एक प्रतिशत ही है।

11 एजेंसियों के लोग बचाव अभियान में जुटे

मंत्री राव ने कहा, 450 फुट ऊंची बोरिंग मशीन को काटा जा रहा है। इस अभियान में करीब 11 एजेंसियों के कर्मी शामिल हैं।

भाजपा ही साहू समाज का वास्तविक सम्मान करती है: तोखन

तेली अधिकार सम्मेलन सह सम्मान समारोह

पटना। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने आज पटना में आयोजित तैलिक अधिकारी सम्मेलन सह सम्मान समारोह में शामिल होने गांधी मैदान पटना पहुंचे। जहां भारी जन संख्या में तेली समाज के लोग उपस्थित रहे। समाज को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा कि माँ कर्मा तेली समाज की आराध्य देवी हैं और हमारी प्रेरणाओं का केंद्र बिंदु हैं। उन्होंने समाज के उत्थान एवं योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भामाशाह जैसे दानवीर, जिन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया, हमारे आदर्श हैं।

श्री साहू ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तीन नदियों के संगम का पावन स्थल है, जहां भगवान कुलेश्वर महादेव एवं भगवान विष्णु का मंदिर स्थित है। यह ऐतिहासिक नगर हमारे आराध्य भक्तिन माता राजिम के नाम से प्रसिद्ध है और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है।

श्री साहू ने स्वजातीय बंधुओं को आमंत्रित करते हुए कहा कि 25 मार्च को छत्तीसगढ़ के रायपुर में भव्य रूप से कर्मा जयंती मनाई जाएगी, जिसमें माँ कर्मा के नाम से डाक टिकट का विमोचन किया जाएगा। यह न केवल साहू समाज, बल्कि संपूर्ण भारतीय संस्कृति के लिए गौरव का विषय होगा।

तोखन साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही साहू समाज का वास्तविक सम्मान करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं तेली समाज से आते है । भारतीय जनता पार्टी के द्वारा साहू समाज से आने वाले कार्यकर्ताओं को उच्च पदों पर सम्मानित किया है, जिनमें शामिल हैं: रघुवर दास को झारखंड का मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल बनाया गया। श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री

नियुक्त किया गया। श्रीमती धर्मशीला साहू को बिहार से राज्यसभा सांसद के रूप में नामित किया गया। श्री मोती प्रसाद को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। इस तरह के अनेकों आदर्श उदाहरण है। श्री साहू ने कहा कि भाजपा सरकार ने साहू समाज के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे समाज के लोगों को शिक्षा, राजनीति, प्रशासन एवं अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरूण साव, बिहार से राज्य सभा सांसद श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मोतीलाल प्रसाद, भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल,विधायक सी.एन.गुप्ता, शक्ति के पुर्व विधायक डॉ खिलावन साहू, संयोजक नितिन अभिषेक सहित हजारों की संख्या में साहू समाज के सामाजिक लोग उपस्थित रहें।

बिलासपुर

सोमवार, 3 मार्च 2025

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 24, अंक : 339
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4 .00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 36.0
न्यून. 24.4

हरिभूमि खास

वक्त की कसौटी पर खरे उतरे साय, चुनाव दर चुनाव बढ़ गए वोट, नगरीय निकाय में मिले 56 फीसदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद राष्ट्रीय संगठन ने एक प्रयोग किया था। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में नए चेहरों को बतौर मुख्यमंत्री पेश किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने विष्णुदेव साय पर दांव लगाया था। वे मुख्यमंत्री बने। उसके बाद

लोकसभा चुनाव हुए और अब नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव समाप्त हुए हैं। लोकसभा चुनाव में ग्यारह में से दस सीटें जीतीं और अब दस में से दस नगर निगमों पर भाजपा के महापौर बन गए हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद छत्तीसगढ़ में भाजपा का वोट प्रतिशत भी बढ़ रहा है। विधानसभा चुनाव के मुकाबले भाजपा को नगरीय निकाय चुनाव में 13.73 फीसदी वोट ज्यादा मिले हैं। वहीं पंचायतों में भी बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक जीते हैं।

चुनाव के नतीजों के बाद दिलचस्प आंकड़े आए हैं जो यह साबित कर रहे हैं कि वक्त की कसौटी पर विष्णुदेव साय ▶▶|शेष पेज 6 पर

- भाजपा के सभी निगमों में बने महापौर, 35 नगर पालिकाओं और 81 नगर पंचायतों में अध्यक्ष जीते
- विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले थे 46 .27 फीसदी, लोकसभा में 52 .65 प्रतिशत वोट

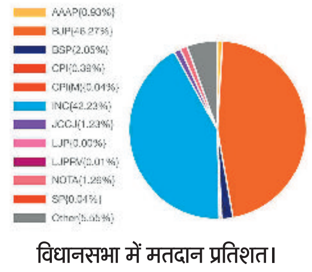

विधानसभा में मतदान प्रतिशत।

भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत

नगरीय निकाय चुनाव में इस बार भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। तीनों निकायों के कुल 3200 में से 1868 पार्षद भाजपा के जीते हैं। 952 कांग्रेस और 380 निर्दलीय जीते हैं। इनमें से नगर निगमों में 542 में से 381 पार्षद भाजपा और 118 कांग्रेस, 43 निर्दलीय जीते हैं। इसी तरह से नगर पालिकाओं में 959 में से 549 भाजपा, 300 कांग्रेस और 110 निर्दलीय जीते हैं। नगर पंचायतों में 1709 में से भाजपा ने 948, कांग्रेस ने 534 और निर्दलीय 227 जीते हैं। महापौर और अध्यक्ष के 173 पदों में से भाजपा ने 126 जीते हैं।

विधानसभा चुनाव के मुकाबले बढ़े भाजपा के 13.73 फीसदी वोट

विधानसभा चुनाव में भाजपा को 46.27 प्रतिशत वोट मिले थे वहीं कांग्रेस का वोट प्रतिशत 42.23 फीसदी था। विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने के बाद लोकसभा चुनाव हुए। भारतीय जनता पार्टी ने 52.65 प्रतिशत वोट हासिल किए। वहीं कांग्रेस के वोट विधानसभा से भी कम होकर 41.06 प्रतिशत रह गए। वहीं नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को 56 फीसदी वोट मिले हैं जो विधानसभा से 13.73 फीसदी ज्यादा हैं।

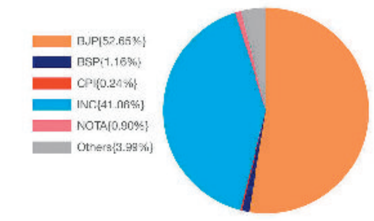

लोकसभा में मतदान प्रतिशत।

किसका कितना वोट शेयर

महापौर और अध्यक्षों के चुनाव में भाजपा का सबसे ज्यादा 56.04 प्रतिशत वोट शेयर रहा। कांग्रेस का वोट शेयर 31.25 फीसदी रहा। निर्दलियों का वोट शेयर 7.73 फीसदी रहा। बसपा को महज 1.1 फीसदी ही वोट मिले। इससे ज्यादा नोटा का वोट शेयर 1.96 फीसदी रहा। आप पार्टी का वोट शेयर 0.99 प्रतिशत रहा। पार्षदों के चुनाव में भाजपा का वोट शेयर सबसे ज्यादा 46.62 फीसदी और कांग्रेस का 32.58 फीसदी रहा। निर्दलियों का वोट शेयर 16.25 फीसदी रहा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

उरुग्वे के नए राष्ट्रपति यामंडु ने पदभार संभाला

मोंटेवीडियो। दक्षिण अमेरिकी देश उरुग्वे के नए राष्ट्रपति यामंडु ओर्सी ने पदभार संभाल लिया।

वामपंथी नेता, पूर्व मेयर और इतिहास के शिक्षक रहे ओर्सी (57) की सरकार ने वर्षों से चली आ रही आर्थिक स्थिरता को खत्म करके सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है।

शादी समारोह में करंट दो मजदूरों की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के बरदह क्षेत्र में 'हाई टेंशन' तार की चपेट में आने से बारात में बग्घी के

साथ चल रहे दो मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दूल्हा बेहोश हो गया। मृतकों की पहचान गोलू (17) और मंगरु (25) के रूप में हुई है। इस घटना से बारात में भगदड़ मच गई।

हाईकोर्ट के जज की कार पुलिस वाहन से टकराई

देवरिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजीव कुमार सिंह को ले जा रही कार देवरिया में पुलिस

'एस्कॉर्ट' वाहन से टकरा गयी। गनीमत रही कि इसमें कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। कोतवाली थाना क्षेत्र में सिविल लाइंस रोड पर सुभाष चौक पर न्यायाधीश की कार अपने आगे चल रहे पुलिस 'एस्कॉर्ट' वाहन से टकरा गई।

ड्रग्स तस्करी, दो भारतीयों और एक नेपाली गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो भारतीयों समेत तीन लोगों को

नेपालगंज से गिरफ्तार किया। भारत के कोलकाता निवासी जियाउल हक शेष (38) और किशोर (18), नेपालगंज निवासी नफीस मोहम्मद कबाडिया (24) को गिरफ्तार किया।

73 लाख की ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 73 लाख रुपये की ठगी के मामले में वांछित एक व्यक्ति को

गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मोहित को हरियाणा के जींद स्थित उचाना मंडी से गिरफ्तार किया गया। आरोप लगाया गया कि मोहित ने भूखंड बेचने का वादा कर उसके साथ ठगी की और 73 लाख रुपये ले लिए।

युद्ध विराम का नया खाका तैयार, अमेरिका के सामने ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन रखेंगे प्रस्ताव

अमेरिका से नहीं बनी बात, अब ब्रिटेन और फ्रांस रोकेंगे रूस-यूक्रेन युद्ध!

एजेंसी ▶▶| लंदन

यूक्रेन युद्ध विराम के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रेसिडेंट जेलेंस्की में बहस होने के बाद अब इसमें नया मोड़ आ गया है। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर युद्ध विराम का नया खाका तैयार करने पर सहमत हुए हैं। प्रस्ताव बनाने के बाद इसे अमेरिका के सामने पेश करेंगे। रविवार को यूक्रेन पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय देशों का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के प्रेसिडेंट व्लादिमिर जेलेंस्की के बीच शुक्रवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में जोरदार बहस के बाद यूक्रेन युद्ध विराम का खाका तैयार किया जाने लगा है। इस वक्त जेलेंस्की ब्रिटेन में हैं और उन्हें ब्रिटेन, फ्रांस समेत पूरे यूरोप का समर्थन मिल रहा है। ब्रिटेन ने आखिरी दम तक यूक्रेन के साथ खड़ा होने का वादा किया है। इससे जेलेंस्की का हौसला बढ़ा है। अब यूक्रेन युद्ध विराम योजना को लेकर ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन नया खाका तैयार कर रहे हैं। युद्ध विराम योजना पर काम करने को लेकर तीनों देशों के बीच सहमति बन गई है। प्रस्ताव तैयार होने के बाद इसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है। बता दें कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने यह जानकारी दी। स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है।

खास बातें

- यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ब्रिटेन में, कई देशों का मिल रहा समर्थन
- यूरोपीय देशों के शिखर सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध पर मंथन

यूक्रेन युद्ध विराम प्रस्ताव में बड़ी शर्त

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपना यह दावा दोहराया कि इसे कायम रखने के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता होगी। ये इसकी बड़ी शर्त है। स्टॉर्मर यूक्रेन पर चर्चा के लिए शिखर सम्मेलन की मेजबानी की।

शिखर सम्मेलन में छाई ओवल ऑफिस की घटना

यह यूक्रेन में शांति की संभावना को आगे बढ़ाने वाले एक सप्ताह तक चले कूटनीति प्रयासों का दौर था। लेकिन, रविवार को यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में 'ओवल ऑफिस' की घटना छाई रही। जब ट्रंप और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 'ओवल ऑफिस' में जेलेंस्की पर अमेरिकी समर्थन के प्रति पर्याप्त रूप से आभारी न होने का आरोप लगाया था।

अमेरिका यूक्रेन से खींचता है हाथ तो होगा ये विकल्प

शिखर सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि अगर अमेरिका यूक्रेन से समर्थन वापस ले लेता है तो यूरोपीय देश यूक्रेन और खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं। स्टॉर्मर ने युद्धग्रस्त देश के नेता से कहा, और जैसा कि आपने बाहर सड़क पर नारो के जरिए सुना, आपको पूरे ब्रिटेन में समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, हम आपके साथ, यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें (युद्ध में) कितना भी समय लगे।

नाटो समेत ये देश ले रहे सम्मेलन में भाग

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा, हमारे पास यूक्रेन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने का अवसर है, जो उनकी संप्रभुता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। अब समय आ गया है कि हम यूक्रेन के लिए सर्वोत्तम परिणाम की गारंटी देने, यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने तथा हमारे सामूहिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एकजुट हों। इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज्य और रोमानिया के नेता भी शामिल होंगे। तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष भी भाग ले रहे हैं।

यूक्रेन को ब्रिटेन ने दी ताकत

इससे पहले, वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद ब्रिटेन आए यूक्रेन के राष्ट्रपति को ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने गले लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें देश का अटूट समर्थन प्राप्त है। जेलेंस्की शनिवार को जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के कार्यालय '10 डाउनिंग स्ट्रीट' पहुंचे तो वहां बाहर एकत्र लोग उनके समर्थन के नारे लगा रहे थे। स्टॉर्मर ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया और वह उन्हें अंदर ले गए। दोनों नेताओं की मुलाकात लंदन में यूरोपीय नेताओं की बैठक की पूर्व संध्या पर हुई।

एसआईटी करेगी जांच

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी का शव सूटकेस में मिला

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की हत्या के मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। हिमानी का शव शनिवार को रोहतक जिले में एक बस स्टैंड के पास सूटकेस में मिला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशेष जांच दल का गठन किया गया है। रोहतक पुलिस की चार टीम घटना में शामिल अपराधियों की तलाश कर रही हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिमानी (22) रोहतक के विजय नगर में रहती थीं। सूटकेस को कुछ राहगीरों ने देखा, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उन्होंने हिमानी हत्या मामले के संबंध में रोहतक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से बात की है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सरकार को पीड़ित परिवार के लिए शीघ्र न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

मां बोली- राजनीतिक रंजिश की शिकार

पोस्टमार्टम हाउस पहुंची हिमानी की मां ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनकी बेटी की हत्या राजनीतिक रंजिश में हुई है। हिमानी का मां का कहना है कि उनकी बेटी साफ-सुथरी राजनीति करना चाहती थी, लेकिन लोग उसे दलदल में फंसाना चाहते थे। वो पिछले तीन दिनों से उनके संपर्क में नहीं थी. हिमानी के भाई ने भी बहन के लिए इंसाफ की मांग की है।

भाई की हत्या, पिता ने की थी आत्महत्या

बताया जा रहा है कि हिमानी नरवाल के बड़े भाई की करीब 14 साल पहले हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या के चार साल बाद हिमानी के पिता ने आत्महत्या कर लिया था। वो बीएसएफ में काम करते थे। उनकी मौत के बाद हिमानी की मां को उनकी जगह दिल्ली में नौकरी मिल गई। वो अपने छोटे बेटे के साथ बीएसएफ कैंप में रहने लगी, लेकिन अपनी पढाई की वजह से हिमानी रोहतक में ही रुक गई। वो विजय नगर में अपने पुश्तैनी मकान में अकेले रहा करती थी।

महापौर ने ली शपथ ना गंगाजल छिड़का और ना ही बदली कुर्सी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

नगर निगम की नव निर्वाचित महापौर मंजूषा भगत और पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह रविवार को संपन्न हुआ। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की मौजूदगी में शपथ ली। हालांकि शपथ ग्रहण के समारोह का कांग्रेस ने बहिष्कार किया। इस घटना के बाद नवनिर्वाचित मेयर को भी बैकफुट पर आना पड़ा। भगत ने निगम पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने ना ही किसी प्रकार के गंगाजल का उपयोग नगर निगम में किया गया और ना की कोई कुर्सी बदली गई। बता दें कि नगर ▶▶|शेष पेज 6 पर

- समारोह में शामिल हुए सीएम साय और विस अध्यक्ष डॉ . रमन

कांग्रेस ने बनाई दूरी, आज अलग से लेंगे शपथ

नगर निगम सरकार के इस शपथ ग्रहण समारोह से कांग्रेस ने दूरी बना ली। नव निर्वाचित महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद कांग्रेस ने भी भाजपा और मंजूषा भगत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। निगम इतिहास ▶▶|शेष पेज 6 पर

गंगा जी को विवादित करना सर्वथा अनुचित : सीएम

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे सीएम श्री साय ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान नगर निगम के शुद्धिकरण को लेकर मंजूषा भगत द्वारा दिए बयान के बाद मचे बवाल को लेकर कहा कि गंगा जल को लेकर विवाद की स्थिति नहीं बननी चाहिए। सभी को मालूम है नए कार्य का शुभारम्भ, नया गृह प्रवेश करते है तो परम्परा के अनुसार पूजा पाठ की जाती है। इष्ट देव की प्रतिमा स्थापित की जाती है। ये हिन्दुओं में है कि शुभ कार्य से पहले गंगाजल से अभिमंत्रित कर वातावरण की शुद्धि करते है इसलिए गंगा जी को विवादित करना सर्वथा अनुचित है। कांग्रेस के 5 साल बजट नहीं देने और भाजपा में अच्छे बजट की उम्मीद पर कहा ▶▶|शेष पेज 6 पर

- तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री
- महादेव का किया अभिषेक
- गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी पर भी जाएंगे

अहमदाबाद। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौराष्ट्र में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग- सोमनाथ महादेव के दर्शन-पूजन किए। प्रधानमंत्री ने महादेव के शिवलिंग पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक भी किया। सोमनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के सामने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संत मुक्ताई यात्रा के दौरान की घटना

बेटी से छेड़छाड़, केस कराने खुद थाने पहुंचीं केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को अपनी बेटी और उसके दोस्तों के साथ छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार की घटना को लेकर महाराष्ट्र के मुक्ताईनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी और उसकी सहेलियों का कुछ लड़कों ने पीछा किया, उन्हें धक्का दिया और तस्वीरें और वीडियो भी बनाए। आपत्ति जताने पर सुरक्षाकर्मियों से मारपीट भी की।

आरोपी राजनीतिक दल से जुड़े

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ में पत्रकारों से कहा, जिन लोगों ने खडसे की बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया, वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने नियमों में किया बदलाव

बिना बर्थ सर्टिफिकेट नहीं बनेगा पासपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति की पहचान और राष्ट्रीयता का प्रमाण भी होता है। ये विदेश यात्रा, शिक्षा, व्यवसाय और अन्य उद्देश्यों के लिए आवश्यक होता है। भारत सरकार समय-समय पर पासपोर्ट नियमों में बदलाव करती रहती है ताकि आवेदन प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाया जा सके। हाल ही में सरकार ने पासपोर्ट नियमों में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। नए नियमों के तहत ▶▶|शेष पेज 6 पर

ये दस्तावेज मान्य

- जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार का जन्म प्रमाण पत्र
- नगर निगम से जन्म प्रमाण पत्र
- ड्राइविंग लाइसेंस
- स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र

पासपोर्ट नियमों में बड़ा बदलाव: भारत सरकार ने पासपोर्ट नियम 1980 में संशोधन करते हुए एक आधिकारिक नोट जारी किया है। नए नियमों के तहत, 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले व्यक्तियों के लिए जन्म प्रमाणपत्र ही जन्मतिथि का एकमात्र प्रमाण माना जाएगा। ये प्रमाण पत्र केवल उपयुक्त सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किया जाना चाहिए।

कितने प्रकार के होते हैं पासपोर्ट

ब्लू पासपोर्ट: सबसे कॉमन पासपोर्ट है, जो आम नागरिकों को जारी किया जाता है। इसका रंग गाढ़ा नीला होता है। आम नागरिकों को व्यक्तिगत जरूरतों के लिए जारी करती है।

ऑरेंज पासपोर्ट: उन भारतीय नागरिकों को जारी किया जाता है, जो सिर्फ 10वीं तक ही पढ़े होते हैं। ये पासपोर्ट विदेश में माइग्रेंट लेबरर के तौर पर काम करने के लिए जाते हैं।

व्हाइट पासपोर्ट: भारत सरकार, सरकारी कामकाज से विदेश यात्रा करने वाले अपने अधिकारियों को व्हाइट पासपोर्ट जारी करती है।

रेड कलर: हाईप्रोफाइल पासपोर्ट सरकारी अफसरों, राजनयिकों और सरकार के प्रतिनिधियों को डिप्लोमेटिक पासपोर्ट जारी किया जाता है। कुल पांच कैटेगरी के लोगों को इशू किया जाता है।

बिना इजाजत विदेश यात्रा, आईपीएस सस्पेंड

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान बिना पूर्व अनुमति के बार-बार विदेश यात्रा करने के आरोप में रविवार को भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पी वी सुनील कुमार को निलंबित कर दिया।

एक सरकारी आदेश में मुख्य सचिव के विजयानंद ने कहा कि नियुक्ति के लिए प्रतीक्षारत डीजीपी रैंक के अधिकारी कुमार ने विदेश यात्राओं के दौरान सरकार द्वारा अनुमोदित यात्रा योजना का उल्लंघन किया था। मुख्य सचिव ने कहा, तत्काल प्रभाव से निलंबित करती है।

2- MARCH- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADAKI_Layout 1 3/2/2025 10:26 PM Page 1

चिंतन

युद्ध समाप्ति की दिशा में बढ़ें यूक्रेन व रूस

करीब तीन वर्ष से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने की दिशा में कोई भी पहल स्वागत योग्य है। लेकिन हाल में अमेरिका व रूस के बीच बातचीत, जेलेंस्की का रूस व यूएस वार्ता को लेकर मुखर रूप, यूरोप की यूक्रेन के साथ तालबंदी, ट्रंप व जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और ब्रिटेन, फ्रांस व यूक्रेन की युद्ध विराम योजना पर सहमति आदि घटनाएं इतनी तेजी में घटी हैं, जिसमें कूटनीति फीकी पड़ी है और मदद के बदले 'डील' फ्रंट सीट पर आई है। इसमें सकारात्मक बात है कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं, लेकिन इसे कायम रखने के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता होगी। यूक्रेन यही मांग रहा है, इसके लिए वह अमेरिका के साथ 'अपमानजनक' खनिज दोहन समझौता के लिए भी तैयार हो गया था। अमेरिका शांति सुरक्षा के नाम पर कोई गारंटी नहीं देना चाहता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका व अधिकांश यूरोपीय देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन की मदद की है, ये मददगार देश यूक्रेन के कंधे पर बंदूक रखकर रूस के अंत की तारीख लिखना चाह रहे थे। यूक्रेन भी बिना मदद युद्ध को इतने लंबे समय तक जारी नहीं रख सकता था। लेकिन तीन साल के बाद अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हुआ और ट्रंप राष्ट्रपति बने, तब अमेरिकी प्रशासन की राय बनी कि यूक्रेन को युद्ध के लिए मदद करना पैसे की बर्बादी है, इसलिए इस मदद को रोका जाय। इसी के साथ यूक्रेन से उसको की गई करीब 350 अरब डॉलर की मदद के बदले दुर्लभ खनिज उत्खनन पर अधिकार हासिल किया जाए। अमेरिका के मुंह फेरने के बाद यूक्रेन के लिए विकट स्थिति बन गई है। यूरोप यूक्रेन के साथ हैं, लेकिन धन व अस्त्र-शस्त्र की आपूर्ति जारी रखने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन के लिए युद्ध जारी रखना संभव नहीं है। युद्ध समाप्ति की दिशा में प्रयास के तहत अमेरिका ने रूस से वार्ता की, इसको लेकर यूक्रेन नाराज हुआ कि बिना उसकी भागीदारी के वार्ता के नतीजे वो स्वीकार नहीं करेगा। यह स्वाभाविक भी है कि युद्ध के दोनों पक्षकार का वार्ता में होना जरूरी है। अमेरिका ने ऐसा नहीं किया। अमेरिका रूस को मना रहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए वह तैयार हो, लेकिन यूरोप व यूक्रेन अमेरिका की इस पहल पर सहज नहीं हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति अमेरिका आए और मदद जारी रखने के बदले खनिज पर अधिकार को लेकर ट्रंप प्रशासन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे। तभी ट्रंप व जेलेंस्की में तीखी बहस हुई, उन्हें ओवल ऑफिस छोड़ने के लिए कहा गया। इन सबमें ट्रंप का रवैया कूटनीतिज्ञ जैसा नहीं रहा, वे यूक्रेनी संप्रभुता व अपने आतिथ्य का सम्मान नहीं कर रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द इस युद्ध को समाप्त कर अपना चुनावी वादा पूरा करना चाहते हैं। लेकिन जैसी जल्दबाजी और तरीका ट्रंप प्रशासन अपना रहा है, वह यूक्रेन को नहीं पच रहा है। यूरोप, अमेरिका, यूक्रेन व रूस के बीच फ्रंट व बैकडोर डिप्लोमेसी से बात करके ही युद्ध समाप्ति का फार्मूला निकल सकता है। यह यूक्रेन व रूस को तय करना है कि वह शांति चाहते हैं या युद्ध? यूक्रेन के लिए राह अधिक कठिन है।

ट्रम्प के रवैये से 'भरोसे' को झटका

कूटनीति
राजेश जैन

अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन या तो अपनी आधी खनिज संपदा उसे देने का सौदा करे या अपनी जमीन का करीब पांचवां भाग छोड़ दे, वहीं 'नाटो' का सदस्य बनने या किसी दूसरी तरह की सुरक्षा गारंटी हासिल करने की बात तो भूल ही जाए। फरवरी के अंतिम दिन अमेरिका दौरे के दौरान इससे इनकार पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं है। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया।

ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा। अब सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प इन धमकियों पर अमल करेंगे या नहीं। मुद्दे की बात यह है कि कोई भी संप्रभुता-संपन्न देश ऐसी धमकियों को महज लफ्फाजी मानकर खारिज नहीं कर सकता। यहां भरोसा तोड़ा गया है। अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो।

हो सकता है ट्रम्प ग्रीनलैंड ले जाएं, शी जिनपिंग ताइवान ले उड़ें और पुतिन बाल्टिक्स का कुछ हिस्सा दबोच लें। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करती है- 'जिसके पास लाठी, उसकी भैंस।' अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन थे, तब यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से दी जा रही मदद लोकतंत्र को बचाने की जंग थी। उन्हें अहसास था कि अगर पुतिन की मनमानी को नहीं रोका तो वह विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ते रहेंगे। आपको बता दें कि पुतिन के बारे में माना जाता रहा है कि वे सोवियत संघ के दौर के साम्राज्यवाद को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। पोलैंड, स्लोवाकिया, लातविया, एस्टोनिया और मोल्दोवा पुतिन के निशाने पर हैं। उन्होंने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। 2022 के बाद युद्ध में भी पुतिन यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। यूक्रेन के सहयोगी यूरोपीय देश चाहते हैं कि युद्ध पुतिन की शर्तों पर खत्म नहीं करना चाहिए।

युद्ध खत्म करवाने की एवज में रूसी राष्ट्रपति से भी रियायतें हासिल करनी चाहिए। ट्रम्प से मिलने के बाद जेलेंस्की ने भी कहा कि यूक्रेन तब तक रूस के साथ पीस डील में शामिल नहीं होगा जब तक कि उसे सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती। अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में जिस प्रकार 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत मनमानी और शक्ति प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई, उसने वैश्विक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। उनकी विदेश नीति, व्यापार समझौतों से लेकर सैन्य हस्तक्षेप तक, एक ही संदेश देती है- 'जिसके पास शक्ति है, वही नियम तय करेगा।' यह दृष्टिकोण न केवल अमेरिका की वैश्विक छवि को बदल रहा है, बल्कि अन्य महाशक्तियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे दुनिया में अराजकता की आशंका बढ़ रही है।

हो सकता है चीन ताइवान को अपने में मिलाने के लिए जंग छेड़ दे। हाल ही में शी चिनफिंग ने कहा भी है कि ताइवान मसले को वह आने वाली पीढ़ियों की खातिर नहीं छोड़ना चाहते यानी वह अपने कार्यकाल में उसका विलय चीन में करना चाहते हैं। आपको बता दें कि 1994 में यूक्रेन ने रूस, यूरोप और अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद परमाणु हथियारों के अपने भंडार को त्याग दिया था। आज यूक्रेन के हालत देखकर अब कौन ऐसे शांति प्रस्तावों पर भरोसा करने का साहस करेगा। ट्रम्प साफ़ कह रहे हैं कि किसी की भी सुरक्षा अमेरिका का सिरदर्द नहीं है। ऐसे में क्या होगा जब ट्रम्प जापान से कहेंगे कि मुझे ओकिनावा दे दो या ऑस्ट्रेलिया से कहें कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की कीमत के रूप में अपने खनिज संसाधन का पांचवां हिस्सा हमें दे दो। ऐसी ही आशंकाओं को देखते हुए यूरोप के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सभी मित्र देश उससे मिल रही सुरक्षा गारंटियों की समीक्षा कर सकते हैं। ट्रम्प ने परमाणु अप्रसार के विचार की हत्या कर दी है। परमाणु हथियार फिर से युद्ध-प्रतिरोधक बन गए हैं। आज उत्तरी कोरिया के किम जोंग उन यूक्रेन और यूरोप की हालत पर हंस रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने अमेरिकी अतिक्रमण के जवाब में दक्षिण कोरिया या जापान पर परमाणु हमला करने की चेतावनी न दी होती तो क्या अमेरिका उन्हें सलामत रहने देता? ईरान इस सब पर नजर रखे हुए है। अगर पाकिस्तान उन्हें बना सकता है तो कोई भी बना सकता है।

मध्य-पूर्व में ईरान, सऊदी अरब और क्या पता दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अजरबैजान और मिस्त्र भी आज के हालत में इनके बारे में सोच रहे हों। कभी परमाणु अप्रसार की पक्षधर अमेरिकी लॉबी भारत पर दबाव बना रही थी कि वह परमाणु हथियार न बनाए। अमेरिका से कई उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए, यह समझाने के लिए कि हम व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर दस्तखत कर दें। दबाव का यह सिलसिला नेहरू से लेकर तब तक चला, जब तक कि इंदिरा गांधी ने 1974 में परमाणु परीक्षण और इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण-2 करके इसे खत्म नहीं कर दिया। हमारे देश में भी शांतिवादियों ने वैचारिक या नैतिक आधार पर परमाणु बम बनाने पर विरोध किया था। तब हमारे नेता अडिग रहे। शायद इसके पीछे उनकी यह दूरदर्शिता थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब सुरक्षा की कोई गारंटी काम नहीं आएगी। यदि वैश्विक राजनीति में शक्ति और स्वार्थ को ही नीति बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता और अराजकता का खतरा और बढ़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं पहले से ही कमजोर पड़ रही हैं और यदि बड़े देश अपनी मनमानी पर उतर आए, तो छोटे और विकासशील देशों के लिए संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके अलावा, यदि महाशक्तियां अपने आर्थिक और सैन्य बल के आधार पर नीतियां लागू करेंगी, तो वैश्विक शांति खतरे में पड़ सकती है और नए संघर्षों की संभावना बढ़ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण समय में संतुलन और नैतिकता आधारित कूटनीति की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

विश्लेषण
प्रमोद भार्गव

परमाणु हथियार नहीं होने से यूक्रेन लाचार

खुद की शक्ति नहीं होने की लाचारी मनुष्य या किसी देश को कहां लाकर खड़ा कर देती है, इसका जीता-जागता उदाहरण यूक्रेन और उसके राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की हैं। यूक्रेन के जब वे राष्ट्रपति बने थे, तब वे हास्य कलाकार थे, उन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। इसी का परिणाम रहा है कि वे आज दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच असहाय बने हास्यास्पद स्थिति से दो-चार हो रहे हैं। यूक्रेन का स्वाभिमान टूट चुका है। उसे अमेरिका युद्ध समाप्त करने की धमकी के साथ दुर्लभ खनिज संपदा छीन लेने के लिए भी मजबूर कर रहा है। बावजूद उसे सुरक्षा की कोई गारंटी तो दी ही नहीं जा रही, बल्कि रूस और चीन की दया पर जीते रहने की परिस्थितियां निर्मित की जा रही हैं। यह स्थिति किसी भी संप्रभुता वाले देश के लिए परतंत्रता स्वीकार लेने जैसी है। इस स्थिति को यूक्रेन इसलिए विवश है, क्योंकि उसने सोवियत संघ के विघटन के बाद 1994 में परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्हें नष्ट कर देने की बड़ी भूल की थी। आज वह परमाणु निरस्त्रीकरण के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर है। जबकि भारत ने परमाणु परीक्षण से जुड़ी इस संधि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। भारत की ओट लेकर पाकिस्तान ने भी यही रुख अपनाया था। अगस्त-1999 में भारत सरकार ने इस सिद्धांत का एक प्रस्ताव भी जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 'परमाणु हथियार केवल निरोध के लिए हैं और भारत केवल प्रतिशोध की नीति अपनाएगा। 'अर्थात भारत कभी स्वयं आगे बढ़कर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। आईसीएएन संगठन अंतरराष्ट्रीय संधि के माध्यम से दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा है। संगठन के प्रयासों पर सहमति जताते हुए 122 देशों ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने की संधि भी कर ली है। संयुक्त राष्ट्र संघ की जब 1945 में स्थापना हुई थी, तब उसका मुख्य उद्देश्य विश्व फलक पर परमाणु निरस्त्रीकरण ही था, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वैश्विक संस्था के अस्तित्व में आने के बाद से ही परमाणु हथियार रखने वाले देशों की संख्या तो बढ़ ही रही है, परमाणु और हाइड्रोजन बमों की संख्या भी बढ़ रही है। जो देश परमाणु संपन्न हैं, वे अब तक परमाणु व अप्रसार संधि (एनपीटी) पर दस्तखत करने को तैयार नहीं हुए हैं। इन देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर-कोरिया शामिल हैं। यदि ये देश इन हथियारों को चिंगारी दिखा दें तो पूरा ब्रह्माण्ड तहस-नहस हो जाएगा। आईसीएएन के प्रयास से 122 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इस लिहाज से इस संस्था का परमाणु युद्ध संबंधी खतरा टालने में अहम भूमिका सामने आई है। हालांकि परमाणु संपन्न देशों द्वारा संधि पर दस्तखत नहीं करने के कारण यह संकट यथावत बना हुआ है। इसी परमाणु शक्ति को स्वाहा कर देने के कारण यूक्रेन ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन जैसे निष्ठुर पाटों के बीच पिस रहा है। ट्रंप यूक्रेन पर युद्ध समाप्ति से पहले बड़ा दुर्लभ खनिज संपदा का सौदा करने की तैयारी में है। यह सौदा अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई अमेरिकी सैन्य मदद के बदले में किया जा रहा है। जबकि युद्ध थोपते वक्त ऐसी कोई शर्त यूक्रेन के समक्ष अमेरिका ने नहीं रखी थी। जेलेंस्की ने कहा भी है कि अमेरिका उन पर 500 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है, लेकिन भविष्य में रूस से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दी जा रही है। यदि जेलेंस्की इस सौदे पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद अमेरिका द्वारा नहीं दी जाएगी। हालांकि जेलेंस्की ने यह जरूर भरोसा दिया था कि यदि यूक्रेन में शांति स्थापना होती है तो वे नाटो देशों की सदस्यता मिलने पर राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। इधर इस सौदेबाजी के परिप्रेक्ष्य में पुतिन ने भी अमेरिकी कंपनियों को रूस के साथ व्यापारिक समझौतों के लिए आमंत्रित किया है। पुतिन ने कहा है कि यदि अमेरिकी कंपनियां चाहें तो रूस ने यूक्रेन की जिस भूमि पर कब्जा किया है, उस क्षेत्र में खनिज संपदा का दोहन कर सकती हैं। साथ ही रूस ने साइबेरिया क्षेत्र में भी खनिज संपदा के उत्खनन के लिए भी कहा है। इस क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ खनिजों की उपलब्धता है। एक तरह से रूस ने अमेरिका के साथ मिलकर खनिज व्यापार की जो लकीर खींच दी है, उससे यूक्रेन की स्थिति उस लाचारी की अवस्था में आ गई है, जहां वह अपना अभिमान, अखंडता और संप्रभुता की गरिमा बचाए रखने की स्थिति में नहीं रह गया है। यदि यूक्रेन ने परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत नहीं किए होते तो वह इस लाचारी को प्राप्त नहीं हुआ होता।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

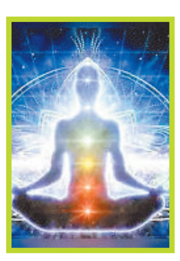

संकलित
दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

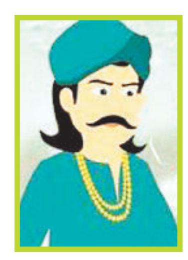

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

रमजान का पहला रोजा

पवित्र रमजान महीने के पहले दिन, बुधवार को नई दिल्ली की जामा मस्जिद में मुसलमान इफ्तार में हिस्सा लेते हुए।

आज की पाती

करों का उचित प्रयोग करें सरकारें

हाल ही में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया कि अगर सड़कों की हालत खस्ता है तो टोल टैक्स लेने का सरकारों का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने नेशनल हाइवे 44 पर स्थित दो टोल प्लाजों पर लगभग 80 प्रतिशत टोल टैक्स कम करने के आदेश भी दिए हैं। सरकारें हमसे किसी भी रूप में जो टैक्स वसूलती हैं, उसका सदुपयोग नहीं किया जाए तो यह सरकारों की सबसे बड़ी नासमझी है। हमारे देश में दिन-प्रतिदिन सड़क हादसों में जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। देश में सड़क हादसों में एक दिन में जितने लोग जान गंवाते हैं, वो आतंकवाद के शिकार होने वाले पीड़ितों से ज्यादा हैं। सड़क हादसा कभी अपनी लापरवाही से हो जाता है, तो कभी दूसरों की लापरवाही से। बहरहाल, सभी सरकारों को यह तय करना चाहिए कि करों का उचित प्रयोग हो। – *मनीष मिश्रा, दुर्ग*

ट्रेंड

माइक मासिमिनो से मुलाकात

प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मिलकर खुशी हुई। अंतरिक्ष के प्रति उनका जुनून और इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना भी सर्वविदित है। यह भी सराहनीय है कि वह सीखने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कैसे काम कर रहे हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनता से किए वादे निभाएंगे

हमारे लिए सत्ता, जनता द्वारा सौंपा गया वह पुनीत अवसर है, जिसके माध्यम से हम लोक कल्याण और अन्त्योदय के लिए कार्य कर सकते हैं। हम उन सभी वादों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जो दिल्ली की जनता से किए गए हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के खिलाफ़ महायुद्ध

पंजाब में नशे के खिलाफ़ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख़्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

नकारात्मक रिश्ते

तेज बहती नदी में भँवर की तरह, आप अक्सर नकारात्मक रिश्तों और भावनाओं में फँसे रहते हैं.. नदी बह रही है.. तुम्हें तय करना होगा कि तुम कौन हो.. भँवर या नदी?

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

निजी अमेरिकी कंपनी का लैंडर 'बलू घोस्ट' चंद्रमा पर उतरा

एक निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान रविवार को चांद पर उतरा और यह अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए प्रयोग किये। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट' लैंडर स्वचालित रूप से चंद्रमा की कक्षा से उतरा, जिसका लक्ष्य चंद्रमा के उत्तरपूर्वी छोर पर स्थित प्रभाव बेसिन में स्थित प्राचीन ज्वालामुखी गुंबद की ढलानों पर पहुंचना था। कंपनी के मिशन कंट्रोल ने बताया कि, 'हम चांद पर हैं'। साथ ही उसने बताया कि लैंडर की स्थिति 'स्थिर है'। टेक्सास स्थित कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस ने इस अंतरिक्ष यान को विकसित किया है। एक दशक पहले स्थापित स्टार्टअप फायरफ्लाई को एक सहज, सीधी लैंडिंग ने ऐसा पहला निजी संगठन बना दिया है, जिसने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उतारा है। केवल पांच देशों रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ने ही ऐसी सफलता मिलने का दावा किया है। दो अन्य कम्पनियों के 'लैंडर' के भी इस सप्ताह के अंत में चंद्रमा पर उतरने की उम्मीद है। फ्लोरिडा से जनवरी के मध्य में प्रक्षेपित किये गये 6 फुट 6 इंच (2 मीटर) लंबे 'लैंडर' ने नासा के लिए चंद्रमा पर 10 प्रयोग किये।

ऑफ बीट

नाक से सांस लेने पर आपकी दौड़ हो सकती है आसान

श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है – यह बस हो जाता है। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं – और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दीवारों पर कारगिल की यादें

रायपुर। पुलिस लाइन की दीवारों पर कारगिल विजय दिवस की थीम पर कलाकृतियां उकेरी गई हैं, जो लोगों को कारगिल युद्ध की याद दिलाती हैं। इन दीवारों पर सेना के जवानों के पराक्रम और युद्ध के दृश्यों को चित्रित किया गया है, जो युद्ध के साहसिक पल और सैनिकों की वीरता को सजीव रूप से दर्शाते हैं। ये कलाकृतियां न केवल कारगिल युद्ध की वीर गाथाओं को जीवित रखती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को उस संघर्ष और बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि भी अर्पित कर रही है।

कांग्रेस आज करेगी ईडी दफ्तर का घेराव

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, ईडी द्वारा अपनी सीमाओं से परे जाकर भाजपा के इशारे पर कांग्रेस नेताओं को प्रताड़ित करने के विरोध में कांग्रेस सोमवार को ईडी दफ्तर का घेराव करेगी। ईडी ने कांग्रेस के सुकमा जिला कार्यालय के निर्माण के संबंध में जानकारी मांगी थी। ईडी को जानकारी देने गए प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू को ईडी ने जबरिया 9 घंटे रोके रखा। ईडी की कार्यप्रणाली से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। श्री बैज ने कहा, ईडी अपनी जांच करे, कांग्रेस उसमें पूरा सहयोग करेगी, लेकिन यदि ईडी जबरिया कांग्रेस नेताओं से दुर्व्यवहार करेगी तो उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। ईडी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट की भांति काम कर रही है। भाजपा राज्य में विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। ईडी के अधिकारी भी शासकीय कर्मचारी होने की मर्यादा को भूलकर भाजपा कार्यकर्ता की भांति काम कर रहे हैं। कांग्रेस इसका विरोध करती है तथा ईडी के कार्यप्रणाली के विरोध में कांग्रेस नेताजी सुभाष स्टेडियम स्थित ईडी दफ्तर का घेराव करेगी। कांग्रेस ने मांग की है कि सिर्फ कांग्रेस का ही क्यों, वह भाजपा के भी खर्चों की भी पड़ताल करे। ईडी में साहस है तो वह भाजपा के 150 करोड़ की लागत से बने भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे को बनाने के लिए रुपया कहां से आया, इसकी जांच करे। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर फाइव स्टार होटल की तर्ज पर बनाया गया है। रायपुर में ही भाजपा के कार्यालय एकात्म परिसर की जमीन राजनैतिक दल के कार्यालय के लिए भाजपा ने 1 रुपए में हासिल की थी। एकात्म परिसर को व्यावसायिक कांप्लेक्स में तब्दील कर दिया गया, जहां से 1.5 करोड़ रुपए किराया भाजपा वसूलती है, ईडी उसकी भी जांच करे।

निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा समता कॉलोनी स्थित मैक ऑडिटोरियम में 3 मार्च को सभी निर्वाचित सिंधी समाज के जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित है। कार्यक्रम सुबह 11 बजे प्रारंभ होगा और दोपहर 2 बजे समापन किया जाएगा। कार्यक्रम संत युधिष्ठिर लाल, अम्मा मीरादेवी व संत अनंतपुरी गोस्वामी के नेतृत्व में होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने रविवार को छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की बैठक हुई, जिसमें पूरे आयोजन के संचालन की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी, प्रदेश प्रवक्ता सुभाष बजाज ने बताया कि इस बार के नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव में छत्तीसगढ़ प्रदेश में दोनों ही राष्ट्रीय पार्टियों द्वारा सिंधी समाज के लगभग 50 प्रत्याशियों को टिकट दिया गया था, इनमें दो महापौर, एक नगरपालिका अध्यक्ष, लगभग 42 पार्षद एवं जनपद सदस्य चुनाव जीत गए हैं, जिसके लिए छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत दोनों ही पार्टियों का आभार व्यक्त करती है। बैठक में मुख्य रूप से अमर पारवानी, महेश दरयानी, भरत बजाज, अमित चिमनानी, बलराम आहूजा, तनेश आहूजा, जीवत बजाज, अनूप मसंद, विकास रूपरेला, नथू धनवानी, प्रहलाद शादीजा, अमर चंदनानी, गौरव मंधानी, अनिल लाहौरी, राजा बजाज, अनिल जोतसिंघानी, रतन वल्र्यानी, मनीष पंजवानी आदि उपस्थित थे।

बायसन को होश में लाने दी गई दवा एक्सपायरी, गुरु घासीदास पार्क में शिफ्ट किए गए गौर की मौत

बायसन को ट्रैंक्यूलाइज करने मार्फिन की तीन से आठ हजार गुना ज्यादा हैवी डोज दी गई थी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बार नवापारा से गुरु घासीदास नेशनल पार्क शिफ्ट किए गए दो बायसन में से एक बायसन की मौत होश में लाने दी गई एक्सपायरी दवा से हुई है। इस बात की पुष्टि वन अफसरों ने भी की है। जिम्मेदार डॉक्टर को शोकाज नोटिस जारी कर जंगल सफारी स्थित वेटनरी मेडिकल स्टॉक को सील कर दिया गया है। वन्यजीव के जानकारों के अनुसार जांच किए बगैर डॉक्टर बायसन को होश में लाने रिवाइवल डोज की डॉट लगा सकता है। वन्यजीव प्रेमियों ने दोषी डॉक्टर के खिलाफ तत्काल पीओआर दर्ज कर वन्यजीव अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। एक्सपायरी दवा लगाने का अपराध डॉक्टर द्वारा कबूल करने की बात सामने आई है।

गुरुघासीदास नेशनल पार्क जो अब नया टाइगर रिजर्व बन गया है। वहां बायसन की संख्या बढ़ाने बारनवापारा अभयारण्य से बायसन ट्रांसलोकेट कर गुरु घासीदास नेशनल पार्क शिफ्ट किया जाना है। इसके लिए 25 जनवरी को एक नर तथा एक सब एडल्ट मादा बायसन रेस्क्यू कर गुरु घासीदास नेशनल पार्क के लिए भेजे गए, जिसमें मादा बायसन की लंबी बेहोशी के बाद मौत हो गई थी। आशंका जताई जा रही थी कि बायसन की मौत ठंड लगने तथा लंबी दूरी की यात्रा की वजह से हुई होगी। मेडिसिन की जांच में बायसन की मौत एक्सपायरी दवा से होने की पुष्टि हुई।

बेहोश करने और होश में लाने इस दवा की डोज दी गई

बायसन को बेहोश करने जो डॉट लगाई गई, उसका नाम कैप्टिवान था। कैप्टिवान मॉर्फिन से तीन से आठ हजार गुना ज्यादा हैवी डोज रहता है। ऐसे में नर बायसन की भी गुरुघासदास टाइगर रिजर्व में मौत होने की आशंका है, नर बायसन को जहां छोड़ा गया है वहां उस बायसन के बारे में अब तक वन अफसरों को किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिल पाई है। होश में लाने एक्टिवान नामक दवा दी गई थी। प्राप्त दस्तावेजों के मुताबिक एक्टिवान 10 माह पूर्व ही एक्सपायरी हो गई थी। दोनों दवाएं दक्षिण आफ्रीका से खरीदी गई थी।

पांच और बायसन शिफ्ट किए जाने की थी तैयारी

बारनवापारा से दो बायसन शिफ्ट किए जाने के तत्काल बाद पांच और बायसन शिफ्ट किए जाने की तैयारी थी। बायसन की मौत की खबर आने के बाद कुछ वन अफसर बायसन की शिफ्ट करने के विरोध में आ गए। अफसरों के विरोध के चलते बायसन की शिफ्टिंग की योजना अधर में लटक गई। बायसन शिफ्ट करने की स्थिति में और पांच मूक वन्यजीवों की मौत तय थी। गुरु घासीदास नेशनल पार्क में 40 बायसन शिफ्ट किए जाने हैं।

डॉक्टर को शोकॉज नोटिस

बायसन की मौत एक्सपायरी दवा की डोज से होने की बात सामने आने के बाद डॉक्टर को शोकाज नोटिस जारी किया गया है। साथ ही कलेक्टर को पत्र लिखकर तत्काल एक वेटनरी डॉक्टर की मांग की गई है। जंगल सफारी स्थित वेटनरी मेडिकल को सील कर दिया गया है।

– **सतोविशा समाजदार**, सीसीएफ वाइल्ड लाइफ

बायसन की मौत एक्सपायरी दवा की वजह से हुई है, इसके पूरे दस्तावेज हमने शासन के पास भेजकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिम्मेदारों को बताना होगा कि एक्सपायरी दवा का इस्तेमाल क्यों किया गया। दवा को बायसन शिफ्ट करने के एक माह पूर्व बलौदाबाजार भेजा गया, ऐसे में दवा भेजने के पहले जांच क्यों नहीं की गई?

–**नितिन सिंघवी**, वन्यजीव प्रेमी

डॉक्टर से सभी अधिकार छीने

एक्सपायरी दवा देने से बायसन की मौत की घटना के बाद डॉ. राकेश वर्मा से उनके सभी विभागीय अधिकार छीन लिए गए हैं। साथ ही उन्हें विभाग द्वारा दी गई गाड़ी तत्काल जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. वर्मा को वन्यजीवों से संबंधित सभी दस्तावेज जंगल सफारी के डायरेक्टर धम्मशील गणवीर के सुपुर्द करने निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा के तीन हजार सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री के साथ भोजन और सम्मान का इंतजार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

भाजपा के सदस्य अभियान में बीते साल प्रदेश संगठन ने प्रदेश में 60 लाख सदस्य बनाकर इतिहास रचने का काम किया है। प्रदेश संगठन ने कार्यकर्ताओं को तीन हजार सदस्य बनाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भोजन करने का मौका देने तथा सम्मान करने का भी ऐलान किया था। अब कार्यकर्ताओं को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। संभावना है कि इस माह कार्यकर्ताओं का इंतजार खत्म हो जाएगा। जहां एक तरफ प्रदेश के कई दिग्गज सांसद और विधायक अपना लक्ष्य पूरा नहीं सके हैं, वहीं कई कार्यकर्ताओं ने दस-दस हजार तक सदस्य बनाने का काम किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने जब देशभर में बीते साल सितंबर से सदस्यता अभियान का प्रारंभ किया तो छत्तीसगढ़ को पहले 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान की रफ्तार को देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने रायपुर प्रवास में भाजपा का लक्ष्य 50 लाख से बढ़ाकर 60 लाख कर दिया। प्रदेश संगठन ने इस लक्ष्य को प्राप्त भी कर लिया।

सदस्यता अभियान के लिए सांसदों के लिए जहां 20-20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया, वहीं विधायकों के लिए दस-दस हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ सभी मंत्रियों और ज्यादातर विधायकों ने अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। कुछ विधायक अपना लक्ष्य प्राप्त ही नहीं कर सके। इसी तरह से आधा दर्जन से ज्यादा सांसद अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं सके।

कई सांसद, विधायक जहां अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर सके, वहीं कई कार्यकर्ताओं ने दस-दस हजार तक सदस्य बना दिए

कार्यकर्ताओं ने किया कमाल

जहां एक तरफ कई सांसद और विधायक लक्ष्य प्राप्त करने में असफल रहे, वहीं थोक में कार्यकर्ताओं ने तीन हजार सदस्य बनाने का काम आसानी से किया। इसी के साथ कई कार्यकर्ताओं ने दस हजार और इससे ज्यादा भी सदस्य बनाने का काम किया है। अब इन सभी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने के साथ सम्मान का इंतजार है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सदस्यता अभियान के बाद प्रदेश संगठन के चुनाव और इसके बाद नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के कारण सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता व्यस्त रहे हैं। अब नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों के बाद सभापति, उपाध्यक्षों और जिला पंचायत अध्यक्षों का चुनाव होना है। इसके बाद समय ही समय रहेगा तो कभी भी आयोजन करके कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा और उनको मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने का भी मौका दिया जाएगा।

दिन से ज्यादा गर्म रही रात, हवा बदलने से अब तीन दिन गिरावट के आसार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले चौबीस घंटे में दिन की तुलना में रात ज्यादा गर्म रही। अब हवा की दिशा में बदलाव होने की वजह से अगले तीन दिन गर्मी के तेवर दिन में ज्यादा असरदार रहेंगे। पिछले चौबीस घंटे में गर्मी के मामले में जगदलपुर ने राजधानी रायपुर को पीछे छोड़ दिया।

मार्च के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में गर्मी की बढ़ोतरी में निरंतरता आने की संभावना है। तब तक मौसम नरम-गरम रहने के आसार बने हुए हैं। अभी राज्य के मौसम को पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित कर रहा है, जिसकी वजह से दिन में तेज धूप की गर्मी के बजाय रात की उमस भरी बेचैनी लोगों को प्रभावित करती रही। उमसभरी बेचैनी की वजह से रात में पंखे बेअसर रहे। रविवार को जगदलपुर सबसे गर्म होकर राजधानी रायपुर को पीछे छोड़ दिया। अब दिन का तापमान प्रदेश में सामान्य से 2 से 4 डिग्री तक अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार, अब पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम हो रहा है, जिससे राज्य में प्रवेश करने वाली हवा की दिशा में बदलाव होने की संभावना है। इसकी वजह से रात के तापमान हल्की गिरावट का दौर प्रारंभ होने की संभावना है। यह गिरावट 5 मार्च तक बने रहने के आसार हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अभी दिन की लंबाई सामान्य से अधिक है, इसलिए ठंड की गुंजाइश नहीं है। तापमान में आने वाली कमी थोड़ी राहत दे सकती है। इस बदलाव का दिन में पड़ने वाली गर्मी पर अधिक असर होने की संभावना नहीं है।

राजधानी रविवार को जगदलपुर से गर्मी में पीछे हुई

जिंदगी- सरयूपारीण ब्राह्मण समाज फिजूल खर्च रोकने करेगा निःशुल्क सामूहिक विवाह

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज ने अब वैवाहिक आयोजन पर होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने के लिए मुहिम चलाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय रविवार को कार्यकारणी की हुई बैठक में लिया गया है । अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला की अध्यक्षता में निःशुल्क व्रतबंध की समीक्षा के बाद जल्द ही ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह कराने का निर्णय लिया गया है। समाज के प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि कार्यकारिणी ने सर्व सहमति से यह निर्णय लिया है कि सामाजिक सामूहिक विवाह में द्वारचार से लेकर लड़की की विदाई तक होने वाले सभी प्रकार के खर्च को समाज वहन करेगा। डॉ. शुक्ला ने निःशुल्क विवाह का उद्देश्य फिजूल खर्च पर रोकना है। साथ ही परिजनों से विवाह की राशि को विवाह के बाद नव दंपत्तियों को देने की अपील की गई है। इससे वर-वधू विवाह के बाद सुचारू रूप से जीवन यापन कर सकेंगे।

- सामाजिक पदाधिकारियों ने समीक्षा बैठक में लिया आयोजन करने का निर्णय

16 मार्च को होगा होली मिलन

सनातन धर्म, संस्कृति एवं परंपरा का विद्वान आचार्यों की निगरानी में निर्वहन किया जाएगा। कार्यकारिणी ने यह भी तय किया कि सामूहिक निःशुल्क विवाह में सर्व ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य वर-वधू भी शामिल हो सकेंगे। मीटिंग में ब्राह्मण समाज के सभी निर्वाचित महापौर, पार्षदों, जिला व जनपद सदस्यों का सम्मान करने और 16 मार्च को होली मिलन समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया है। मीटिंग में कोषाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने आय-व्यय का विवरण दिया। इस दौरान राजेश त्रिपाठी, आरएल द्विवेदी, संगम लाल त्रिपाठी, अभय तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

ट्रैफिक दबाव कम करने 6 ओवरब्रिज बनाने की प्लानिंग, सालभर से फाइलों में दबी 'राहत'

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी में जिस तेजी से वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। उस लिहाज से सड़कों का जाल जिम्मेदार बिछा नहीं पाए। सालभर पहले शहर के जिन क्षेत्रों में वाहनों का दबाव कम करने के लिए ओवरब्रिज बनाने का प्लान तैयार किया गया, वह प्लान भी फाइलों में उलझ गया। इस कारण लोगों को मिलने वाली सुविधा अब तक सिर्फ कागजों में कैद होकर रह गई है। 5 लाख से ज्यादा लोगों को राहत देने के लिए यह प्लान तैयार किया गया था।

राजधानी को ट्रैफिक जाम से राहत देने 6 ओवरब्रिज की मंजूरी मिलने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। इसके तहत पंडरी-मोवा खम्हारडीह बिजली आफिस से लोधीपारा चौक के साथ गांधी उद्यान से मरीन ड्राइव, हीरापुर चौक, बंगाली चौक और रिंगरोड रिलायंस पेट्रोल पंप के पास ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती रहती है। इसे देखते हुए शासन ने पिछले बजट सत्र में ही इनके लिए फंड का प्रावधान किया, इसके बावजूद सालभर बाद भी कहीं काम शुरू नहीं हुआ। पिछले बजट में ओवरब्रिज की मंजूरी से जुड़ा प्रोजेक्ट फाइलों का हिस्सा बना हुआ है। इससे शंकरनगर टर्निंग प्वाइंट, मरीन ड्राइव पर भी आए दिन जाम लगता है। इस मामले को लेकर जब सेतु विभाग के अफसरों से बात की गई तो वे इसे पुराना प्रोजेक्ट बताकर कुछ भी कहने से बचते रहे। ऑफ द रिकार्ड बताया कि जल्द ही दो-तीन ओवरब्रिज का निर्माण शुरू होगा। इसे रिंगरोड नंबर-3 से जुड़े क्षेत्र में बनाया जाएगा। राजधानी के चारों तरफ बसाहट तेजी से बढ़ रही है। यहां हर साल गाड़ियों की संख्या भी बढ़ रही है। इस अनुपात में सड़कों का विस्तार भी नहीं हो पाया है। आए दिन चौक-चौराहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है।

फाइलों में कैद राहत का प्रोजेक्ट

पीडब्ल्यूडी के ब्रिज सेक्शन को शंकरनगर चौक टर्निंग से लोधीपारा चौक के बीच करीब एक किमी लंबा ओवरब्रिज बनाने के लिए शासन से 40 करोड़ की स्वीकृति मिली थी, लेकिन अफसरों ने इसकी फाइल ही आगे नहीं बढ़ाई और मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इसके चलते आसपास के लोग जाम से परेशान हैं। इसी तरह गांधी उद्यान से तेलीबांधा तालाब के आगे नेताजी सुभाषचंद्र बोस चौक तक ओवरब्रिज के लिए 50 करोड़ का प्रोजेक्ट है, जो फाइलों का हिस्सा बन गया है।

5 लाख लोगों को सुविधा देने का मसौदा

पंडरी एलआईसी कार्यालय से अवंति बाई चौक तक ओवरविज़ बनाने के लिए प्लानिंग की गई। करीब 700 मीटर लंबे ओवरब्रिज के लिार 135 करोड़ का प्रस्ताव अधर में अटका है। पीडब्ल्यूडी ने स्वाइल टेस्टिंग का काम शुरू किया था, लेकिन अचानक काम बंद कर दिया गया। इसके बनने से शंकरनगर, गायत्रीनगर से मोवा और आसपास के दो दर्जन से ज्यादा कॉलोनीवासियों को जाम से राहत मिलेगी। करीब 5 लाख की आबादी को जाम से बचाने का मसौदा है।

ओवरब्रिज से मिलेगी बड़ी राहत

हीरापुर चौक पर 49 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज बनना है। यह 146.56 मीटर लंबा और 24 मीटर चौड़ा होगा। इसी तरह बंगाली चौक पर 23 करोड़ 39 लाख की लागत से फ्लाईओवर बनना प्रस्तावित है। इसकी लंबाई 120.5 मीटर और चौड़ाई 24 मोटर होगी। इसी तरह टाटीबंध से भनपुरी चौक के बीच में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास 36 करोड़ की लागत से 200 मीटर लंबा 6 लेन ओवरब्रिज का प्रोजेक्ट भी फाइलों है। सभी ओवरब्रिज बनने से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

हरिभूमि ने सरस्वती नगर और डब्लूआरएस हॉल्ट स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं की कमी पर प्रकाशित की थी खबर

सरस्वती नगर-डब्लूआरएस स्टेशन पर अब पानी, पंखे और शौचालय की नई सुविधा, यात्री बोले- धन्यवाद इंडियन रेलवे

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी से लगे सरस्वती नगर और डब्लूआरएस हॉल्ट स्टेशन पर अब यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलनी शुरू हो गई हैं। पहले जहां यात्रियों के लिए पानी, पंखे और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी थी, वहीं अब रेलवे ने इन स्टेशनों में सुविधाओं का विस्तार किया है। 23 फरवरी के अंक पर हरिभूमि में प्रकाशित खबर ''शहर का अनोखा रेलवे स्टेशन... न पानी न पंखा, खुले में करो लघुशंका'' में इन हाल्ट स्टेशनों पर हो रही समस्याओं को प्रमुखता से उजागर किया गया था। सप्ताहभर के भीतर ही रेलवे प्रशासन ने तत्परता से इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब सरस्वती नगर स्टेशन पर यात्रियों को पंखे और शौचालय की सुविधा मिलने लगी है, वहीं डब्लूआरएस स्टेशन पर भी यात्रियों को पंखे की हवा मिल रही है, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक हो गई है। छोटे स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से यात्रियों की यात्रा अब और भी सुविधाजनक हो गई है। इन स्टेशनों से सफर करने वाले यात्रियों ने हरिभूमि और रेलवे प्रशासन को धन्यवाद कहा है।

रेलवे प्रशासन ने सप्ताहभर के भीतर दोनों स्टेशनों में लगाए नए पंखे, अब सरस्वती नगर में पानी की भी मिलेगी सुविधा

सरस्वती नगर हॉल्ट स्टेशन पर रोजाना सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक 800 से अधिक यात्रियों की आवाजाही होती है। हालांकि स्टेशन निर्माण के बाद से यहां यात्रियों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब रेलवे ने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। प्लेटफार्म पर पानी की सुविधा के लिए स्थान निर्धारित कर लिया गया है और निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। इस महीने से यात्रियों को ठंडे पानी की सुविधा मिलने लगेगी।

2 साल बाद नए भवन में शिफ्ट हुआ टिकट काउंटर

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने सरस्वतीनगर हॉल्ट पर नए टिकट काउंटर और वेटिंग रूम का निर्माण किया था, लेकिन पिछले दो साल से इस भवन पर ताला लगा हुआ था। आखिरकार इस नए भवन में टिकट काउंटर को शिफ्ट कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। नए भवन में यात्रियों के लिए वेटिंग रूम और शौचालय की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है, जिनकी कमी के कारण पहले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। हरिभूमि ने स्टेशन पर शौचालय की कमी को प्रमुखता से उजागर किया था, जिसके बाद ये सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध कराई गई हैं।

स्टेशन पर अब पंखे की सुविधा भी

सरस्वतीनगर और डब्लूआरएस हॉल्ट स्टेशन पर पहले पंखे की सुविधा नहीं थी, लेकिन अब रेलवे ने गर्मी से पहले इन स्टेशनों पर नए पंखे लगाकर यात्रियों को राहत दी है। सरस्वतीनगर स्टेशन पर 6 तो वहीं डब्लूआरएस स्टेशन पर 4 नए पंखे लगाए गए हैं। साथ ही दोनों स्टेशनों की सफाई भी की गई है। इन सुविधाओं के बढ़ने से अब यात्रियों को छोटे स्टेशनों पर भी आरामदायक यात्रा का अनुभव हो रहा है। यात्री पंखे की हवा खाकर राहत पा रहे और गंतव्य तक जाने अपनी ट्रेन का इंतजार करते दिखते हैं, जिससे उनके सफर की शुरुआत और भी सुखद हो गई है।

सड़क पर फिर मना जन्मदिन का जश्न, दो धरे गए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आम रोड पर जन्मदिन का जश्न मनाने के मामले में राजधानी में एक माह के भीतर ही तीन केस दर्ज होने के बाद कॉलोनी के मुख्य मार्ग में जन्मदिन के अवसर पर केक काटे जाने का एक और वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो के आधार पर आमानाका पुलिस ने अपराध दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना टाटीबंध उदया सोसायटी की है।

उदया सोसायटी बिजली ऑफिस जाने वाले मार्ग पर सड़क घेरकर केक काटे जाने पर पुलिस ने करणवीर सिंह तथा जोवन सिंह को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद तीन आरोपी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, करणवीर उदया सोसायटी का निवासी है। तीन दिन पूर्व 28 फरवरी को करणवीर का जन्मदिन था। उसने अपने दोस्तों के साथ सड़क जाम कर बीच सड़क पर केक काटा और आतिशबाजी भी की। इसके चलते आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस वजह से करणवीर सिंह तथा उसके अन्य दोस्तों के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

कार्रवाई का कोई असर नहीं

सड़क घेरकर जन्मदिन मनाने को लेकर इसके पूर्व पुलिस तीन अलग-अलग मामलों में अपराध दर्ज कर चुकी है। बावजूद इसके सड़क पर जन्मदिन मनाने वाले लोगों पर पुलिस कार्रवाई तथा प्रशासन के आदेशों के प्रति कोई भय नहीं है। इसके चलते सड़क घेरकर जन्मदिन मनाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। हिस्ट्रीशीटर बदमाश का जन्मदिन मनाने, तलवार से केक काटने का भी पूर्व में वीडियो वायरल हो चुका है।

2- MARCH- K&C- MAIN- Pg- 6 RAJDHANI-SODUKU_Layout 1 3/2/2025 11:47 PM Page 1

सीजीएमएससी ने ऑक्सीजन प्लांट डीकेएस पर थोपा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

करार तोड़ने की वजह से कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर सीजीएमएससी ने हाथ खड़े कर दिए हैं। ऑक्सीजन प्लांट को पूरी सक्रियता के साथ शुरू करने की जिम्मेदारी अब डीके अस्पताल प्रबंधन पर थोप दी गई है। दवा कॉर्पोरेशन की ओर से सीएमसी के माध्यम से उसके रखरखाव के लिए एजेंसी तय करने की सलाह दी गई है। प्लांट के मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

लाखों खर्च के बाद प्लांट मेटेंनेस के लिए सीएमसी करने की सलाह

डीके सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने से लेकर उसके रखरखाव की जिम्मेदारी सीजीएमएससी के पास थी। इसके लिए शंकरनगर की एक एजेंसी से अनुबंध किया गया था। प्लांट बिगड़ा तो उसे सुधारने के लिए लाखों रुपए खर्च कर दिए गए, मगर प्लांट पूरा नहीं बन पाया और उसकी उत्पादन क्षमता आधी होकर रह गई। कुछ समय पहले सीजीएमएससी ने करार पूरा नहीं करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित कंपनी को तीन साल के लिए सरकारी टेंडर में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। कंपनी पर कार्रवाई तो हो गई, मगर प्लांट की समस्या जस के तस बनी हुई है। अस्पताल प्रबंधन अभी मरीजों की आधी जरूरत ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदकर पूरी कर रहा है। दवा कॉर्पोरेशन द्वारा एजेंसी पर कार्रवाई कर अपना हाथ खींच लिया गया है और बिगड़े प्लांट को सुधारने के लिए डीके अस्पताल को ऑपरेंसिव मेंटेनेंस कांट्रेक्ट (सीएमसी) करने की सलाह दी गई है। अस्पताल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों का कहना है, इस प्रक्रिया को पूरा करने में काफी वक्त लगेगा और तब तक मरीजों के लिए ऑक्सीजन खरीदना मजबूरी होगी।

दो प्लांट भी अटके

डीके अस्पताल में ऑक्सीजन से संबंधित दो प्लांट और शुरू होने का इंतजार है। एक तो लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट है, जो पीएम केयर के माध्यम वहां लगाया गया था। प्लांट लायसेंस की वजह से अटका हुआ है, वहीं कुछ समय पहले आयुष विवि से लगे ऑक्सीजन प्लांट को यहां लगाने की तैयारी थी। इसकी शिफ्टिंग के लिए काम अब तक अधूरा पड़ा हुआ है। माना जा रहा है कि दोनों प्लांट अस्पताल की सारी डिमांड पूरी कर देंगे।

डायबिटिक क्लीनिक की जांच ठंडी पड़ी

अस्पताल में दवा कॉर्पोरेशन द्वारा सात साल पहले बनवाई गई डायबिटिक और कार्डियक सेटअप की जांच भी ठंडी पड़ चुकी है। लाखों रुपए की लागत से किए गए इस निर्माण का उपयोग अब तक नहीं हुआ है। मामले में उच्च स्तर पर जानकारी तो ली गई, मगर समय बीतने के साथ इससे फाइलों के नीचे दबा दिया गया।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

मुक्कड़ और सफाई परखने आ रही सेंट्रल की टीम, स्वच्छता सर्वेक्षण में दांव पर रैंकिंग

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

शहर में मुक्कड़ और सफाई की धरातल पर स्थिति परखने सेंट्रल की टीम राजधानी आ रही है। छत्तीसगढ़ में यह टीम 3 मार्च को दस्तक देगी। जबकि रायपुर शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए टीम आने की तारीख राज्य सरकार तय करेगी। रायपुर को देश के टॉप टेन स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में लाना निगम प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ी चिंता गारबेज फ्री सिटी के लिए होने वाले केंद्रीय सर्वेक्षण को लेकर है, जिसमें मुक्कड़ मुक्त शहर बनने की राह में अभी भी शहर के 2 दर्जन मुक्कड़ बाधा बने हुए हैं। वहीं पब्लिक फीडबैक शहर की सफाई का पैमाना तय करेगा।

दरअसल 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले देश के 4337 शहरों के बीच स्वच्छता को लेकर यह प्रतिस्पर्धा है। देशव्यापी स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग के लिए होने वाले तीसरे चरण के सर्वे के बाद केंद्रीय टीम शहर को अंक देगी। जो कि अलग-अलग श्रेणी में तय मापदंड के हिसाब दिए जाएंगे। रैंकिंग हिसाब से तीसरा राउंड काफी अहम माना जा रहा है। इस बार गारबेज फ्री सिटी, ओडीएफ डबल प्लस और वाटर प्लस श्रेणी में मूल्यांकन करने 3 टीमें शहर में सर्वे करने अलग-अलग हिस्सों में जाएंगी। अब तक हुए देशव्यापी केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर शहर ने देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में अपनी धाक बरकरार रखी। लगातार 5 साल तक इंदौर को देश के नंबर वन

स्वच्छ शहर होने का तमगा मिला। पिछले बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत शहर को संयुक्त रूप से देश का नंबर वन स्वच्छ शहर घोषित किया गया। जबकि रायपुर शहर 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की देशव्यापी स्वच्छता रैंकिंग में 11वीं पायदान पर संतोष करना पड़ा। इस बार रैंकिंग सुधारने नगर निगम प्रशासन ने अपनी पूरी टीम इस कार्य में झोंक दी है। सफाई व्यवस्था पर नजर रखने निगम के अपर आयुक्त, उपायुक्त, प्रभारी उपायुक्त सहित जोन अधिकारी के साथ फील्ड में उतारे हैं।

गारबेज फ्री सिटी बनने में रोड़ा 2 दर्जन मुक्कड़

गारबेज फ्री सिटी के लिए होने वाले केंद्रीय सर्वे में पिछली बार शहर को इस श्रेणी में इसलिए अंक नहीं मिले, क्योंकि रायपुर नगर निगम शहर के अलग-अलग क्षेत्र में स्थित 2 दर्जन मुक्कड़ को हटा नहीं पाया। जहां आज भी लोग रोजाना गीला और सूखा कचरा बिना किसी हिचक के डाल रहे हैं। जोन स्तर पर न तो शहर को मुक्कड़ मुक्त बनाने ठोस प्रयास हुए और न ही निगम मुख्यालय से इसकी पहल हुई। विदित हो कि शहर के मध्य स्थित नगर निगम जोन-2 क्षेत्र में सबसे ज्यादा 5 मुक्कड़ शामिल हैं। इस बार भी स्वच्छता सर्वेक्षण में यह चूक निगम को भारी पड़ सकती है।

गीला-सूखा कचरा एक साथ

नगर निगम के 70 वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के दौरान ठेका कंपनी को लोगों के घरों से हरे व नीले रंग के डस्टबिन में गीला-सूखा कचरा अलग-अलग लेना है, लेकिन धरातल पर इसकी उलट स्थिति होने से केंद्रीय टीम द्वारा इसकी माइनस मार्किंग हुई। जनजागरूकता और प्रचार-प्रसार की कमी के चलते इस बार भी कमोबेश वही स्थिति बनी हुई है। जिस पर सर्वेक्षण के लिए आने वाली टीम की नजर रहेगी।

पब्लिक फीडबैक में मिले थे कम नंबर

पिछले साल हुए स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान पब्लिक फीडबैक श्रेणी में 1295 अंक रखे गए, पर केंद्रीय टीम को इस श्रेणी में लोगों का प्रॉपर रिस्पांस नहीं मिला। इसका असर शहर की स्वच्छता रैंकिंग पर देखा गया। सूत्रों के मुताबिक विभागीय अधिकारियों को इस बार भी चिंता सता रही है कि शहर की सफाई का फीडबैक देने पब्लिक इंट्रेस्ट नही ले रही। टीम आने से पहले स्वच्छता समूह की महिलाएं, सफाई सुपरवाइजर और वार्ड प्रभारी लोगों से फीडबैक ले रहे हैं , पर आम जनता इसमें दिलचस्पी नहीं ले रही। यही हाल रहा तो पब्लिक फीडबैक श्रेणी में फजीहत होते देर नहीं लगेगी।

एसटीपी की सुविधा से बढ़ सकते हैं अंक

वाटर प्लस श्रेणी में इस बार नंबर बढ़ सकते हैं। खारुन नदी में नाले-नालियों के गंदे पानी को जाने से रोकने 3 अलग-अलग स्थानों पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और फिल्टर प्लांट से निकलने वाले बैकवॉश वाटर को दोबारा उपयोग लायक बनाने नया प्लांट शुरू होने का फायदा इस बार शहर को मिलेगा। उपचारित जल के दोबारा उपयोग को लेकर वाटर प्लस श्रेणी में अंक बढ़ सकते हैं। वायु प्रदूषण रोकने के लिए रोड स्वीपिंग मशीन से शहर के सड़कों की सफाई पर केंद्रीय टीम अंक देगी।

हिंदी से होगी शुरुआत, शनिवार से हो शुरू हो चुके हैं बारहवीं के पर्चे

दसवीं की परीक्षाएं आज से, 5 लाख 71 हजार छात्रों की उत्तरपुस्तिकाएं जांचेंगे 25 हजार शिक्षक

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं की परीक्षाएं आज से आयोजित की जाएंगी। शुरुआत हिंदी विषय से होगी। इसके पूर्व शनिवार को बाहरवीं कक्षा की परीक्षाओं की शुरुआत भी हिंदी विषय से हुई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित दसवीं की परीक्षा में 3 लाख 23 हजार 227 नियमित और 7 हजार 330 स्वाध्यायी विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षाओं के लिए 2 हजार 523 केंद्र बनाए हैं। इन केंद्रों में बारहवीं और दसवीं दोनों ही कक्षाओं की परीक्षा हो रही है। बारहवीं की तरह मंडल ने दसवीं की परीक्षाओं के लिए भी तैयारी पूर्ण कर ली है। उड़नदस्ते की टीम सहित निरीक्षण कार्य को लेकर निर्देश दिए जा चुके हैं।

परीक्षा के साथ-साथ माशिम ने मूल्यांकन की तैयारी भी पूरी कर ली है। परीक्षा प्रारंभ होने के पखवाड़े भर बाद अर्थात 15 मार्च से मूल्यांकन कार्य शुरू कर दिया जाएगा। प्रदेश में 36 मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी रायपुर में 2 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें दानी गर्ल्स स्कूल और जेएन पांडेय विद्यालय शामिल है। 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति इन उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए की गई है।

दो चरणों में भेजी जाएगी उत्तरपुस्तिकाएं

परीक्षा केंद्रों से मूल्यांकन केंद्र तक उत्तरपुस्तिकाएं दो चरणों में भेजी जाएंगी। एक मार्च से 14 मार्च तक हुई परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं प्रथम चरण में भेजी जाएंगी। इनका मूल्यांकन 15 मार्च से शुरू कर दिया जाएगा। 15 मार्च से अंतिम तिथि तक हुई परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं दूसरे चरण में भेजी जाएंगी। इनका मूल्यांकन बारहवीं की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद

सीजी बोर्ड परीक्षा 2024-25 एक नजर में

- दसवीं की परीक्षाएं 3 मार्च से 24 मार्च तक चलेंगी। बारहवीं की परीक्षाएं एक मार्च से प्रारंभ होकर 28 मार्च को समाप्त होंगी।
-दसवीं की परीक्षा में शामिल होंगे 3 लाख 23 हजार 227 विद्यार्थी।
- बारहवीं की परीक्षा में 2 लाख 34 हजार 294 छात्र हो रहे हैं शामिल।
-बारहवीं की तुलना में दसवीं कक्षा में स्वाध्यायी छात्रों की संख्या अधिक है। बारहवीं की परीक्षा में 6 हजार 774 तो दसवीं में 7 हजार 330 प्राइवेट छात्र बैठ रहे हैं।
-परीक्षा के लिए प्रदेश में 2 हजार 523 केंद्र बनाए गए हैं। यहां दसवीं और बारहवीं दोनों ही कक्षाओं की परीक्षा होगी।
-मूल्यांकन के लिए 36 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से दो केंद्र रायपुर में है।
- दोनों कक्षा मिलाकर 5 लाख 71 हजार 625 छात्र परीक्षा दिलाएंगे। इनकी कॉपियां प्रदेश के 25 हजार शिक्षकों द्वारा जांची जाएगी।

आप रिटायर्ड हुए हैं, टायर्ड नहीं, अब समाज को दें समय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चौबे कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल भवन में रविवार को भारतीय पेंशनर्स मंच के पहले राज्य स्तरीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि आप सभी अपनी नौकरी से रिटायर हुए हैं, टायर्ड नहीं, इसलिए अब आप खुद को और समाज को अपना समय दें। नौकरी के चक्कर में अब तक जिस काम के लिए आप समय नहीं निकाल पाए, वे सारे काम कीजिए। मन में अगर थोड़ा भी यह विचार आया कि काम बहुत हो गया, अब आराम करना है तो जीवन कठिन हो जाएगा। आप सभी अपना रुटीन उसी तरह रखिए, जैसा आप नौकरी के दिनों में रखते थे। सुबह 9.30 बजे खाना खाया और काम पर निकल गए। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि हर संगठन पहले छोटा ही होता है। महाराष्ट्र मंडल रायपुर का आगाज भी वर्ष 1935 में कुछ सदस्यों के साथ हुआ।

आज 90 वर्षों के सफर में मंडल कई प्रकल्पों को 4500 से अधिक आजीवन सभासदों और 200 से अधिक सक्रिय सदस्यों के साथ संचालित करते हुए समाजसेवा में जुटा है। निस्संदेह भारतीय पेंशनर्स मंच भी समय के साथ विशाल वटवृक्ष का रूप लेगा। कार्यक्रम में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र नामदेव, राष्ट्रीय अध्यक्ष वीएस यादव ने भी संबोधित किया।

गर्मी में 24 चौक-चौराहों में प्याऊ, पक्षियों और जानवरों के लिए 1 लाख सकोरे की व्यवस्था

रायपुर। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन चौक-चौराहों में राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए शहर में अभी तक प्याऊ घर की व्यवस्था नहीं की गई है। बदलते समय के साथ राजधानी में एक तरफ सार्वजनिक प्याऊ का चलन खत्म होते जा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर इस गर्मी सामाजिक संस्थाएं शहर में प्याऊ घर बनाने की तैयारी में जुट गई हैं। वर्तमान में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाजारों में प्याऊ घर की व्यवस्था नहीं है। सामाजिक संस्था एकलव्य ने इस गर्मी आम आदमी के साथ-साथ पक्षियों और मवेशियों की प्यास बुझाने पेयजल की व्यवस्था करने का फैसला लिया है। अन्य संस्थाओं ने भी इस दिशा में तैयारी प्रारंभ कर ली है।

अप्रैल महीने से इसकी शुरुआत होगी। संस्था के प्रमुख प्रांजल तिवारी ने बताया कि 10 सालों से गर्मी में प्याऊ घरों का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है। पहले केवल बाजार के साथ दो से तीन जगहों पर व्यवस्था करते थे, लेकिन प्याऊ घर कम होने से अब इस बार 24 चौक-चौराहों में व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही एक लाख सकोरा पक्षियों के लिए पेड़ों पर लगाएंगे और लोगों को बांटेंगे भी। गर्मी में पक्षियों और मवेशियों को पानी आसानी से मिले यह हमारा लक्ष्य है। इस कार्य के लिए 8 अन्य संस्थाएं आपस में मिलकर काम करेंगी।

गर्मी में खरीदारी करने पहुंच रहे लोगों को जल्द पानी के साथ छाछ की भी निःशुल्क सुविधा मिलेगी। व्यापारी आकाश गोलछा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी प्याऊ घर की व्यवस्था की जाएगी। 20 सालों से गर्मी में यह सिलसिला जारी है। इस बार समय-समय पर राहगीरों को शरबत और छाछ भी दिया जाएगा। प्रयास रहेगा कि प्याऊ घर तीन से अधिक जगहों पर हों, ताकि जिस भी मार्ग से व्यक्ति बाजार में प्रवेश करे उसे पानी की सुविधा मिले। अप्रैल से पहले यह सुविधा मिलने लगेगी।

2 हजार मटके का दिया आर्डर

सामाजिक संस्था प्रयास की ओर से शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस बार प्याऊ घर की व्यवस्था की जाएगी। संस्था के राजेश नायक ने बताया कि गर्मी को लेकर कुम्हारों को 2 हजार मटके तैयार करने का आर्डर दिया है। प्याऊ घर बनाकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार के साथ आउटर के इलाकों में मटके की व्यवस्था की जाएगी। उनका कहना है कि शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्र में इस बार प्याऊ घर बनेंगे। संस्था द्वारा 5 सालों से गर्मी में लोगों को पानी पिलाने की व्यवस्था की जा रही है।

कावरे संभालेंगे पत्रकारिता विवि, यह प्रदेश की चौथी यूनिसर्विटी जो 'प्रभारी भरोसे'

वर्तमान कुलपति बलदेव भाई शर्मा का कार्यकाल कल होगा समाप्त

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के वर्तमान कुलपति प्रो.बलदेव भाई शर्मा का कार्यकाल 4 मार्च को समाप्त हो जाएगा। रिक्त पद पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने संभागायुक्त को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ यहां के प्रभारी कुलपति का दायित्व सौंपा है। रायपुर संभाग के संभागीय कमिश्नर महादेव कावरे कल से पत्रकारिता विवि का दायित्व संभालेंगे। राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर. प्रसन्ना द्वारा इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही यह प्रदेश का चौथा विश्वविद्यालय हो जाएगा, जो प्रभारी कुलपति के भरोसे है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि में कुलपति पद के लिए विज्ञापन पिछले सप्ताह जारी किया गया था। कांग्रेस शासनकाल में कुलपति पद के लिए आवश्यक योग्यता में हुए बदलाव को यथावत रखते हुए मीडिया क्षेत्र में 20 वर्षों का अनुभव मांगा गया है। आवेदन, साक्षात्कार सहित अन्य प्रक्रिया में न्यूनतम तीन माह का समय वांछित है। ऐसे में आने वाले तीन माह तक पत्रकारिता विवि भी प्रभारी कुलपति के भरोसे ही रहेगा। इसके पूर्व दुर्ग विवि, तकनीकी विवि और खैरागढ़ संगीत विवि भी इस सूची में शामिल हो चुके हैं।

पत्रकारिता विवि को नया कुलपति शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ही मिलने की संभावना है। इसके पूर्व मई-जून में विवि की सेमेस्टर परीक्षाएं होनी हैं। इसके पूर्व प्रायोगिक परीक्षाएं होंगी। चूंकि विवि के कुलपति का कार्यकाल 4 मार्च को समाप्त हो जाएगा, ऐसे में प्रभारी कुलपति ही परीक्षा कराएंगे। कोर्स पूर्ण नहीं होने सहित अन्य असुविधाओं को लेकर यहां के छात्र नियमित अंतराल पर प्रदर्शनरत रहते हैं, ऐसे में स्थायी कुलपति का ना होना यहां के छात्रों की समस्याएं बढ़ाएगा। दुर्ग विवि के लिए इस बार रिकॉर्ड आवेदन मिले थे। प्रदेश सहित बाहर के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत वरिष्ठ प्राध्यापकों और दो विश्वविद्यालयों के वर्तमान कुलपतियों ने भी इसके लिए आवेदन किए थे। इनमें से 13 उम्मीदवारों को शॉर्ट लिस्ट कर साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। जनवरी माह में प्रस्तुति देते हुए इन्होंने विश्वविद्यालय को लेकर अपने लक्ष्य बताए। साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण हुए लगभग दो माह हो चुके हैं, लेकिन अभी तक यह तय नहीं किया जा सका है कि विवि का अगला कुलपति कौन होगा? सामान्यतः साक्षात्कार प्रक्रिया पूर्ण होने के माहभर के भीतर ही कुलपति के नाम पर अंतिम मुहर लगा दी जाती है, लेकिन इस बार रिकॉर्ड आवेदन के बाद रिकॉर्ड इंतजार हो रहा है। स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि को भी नया कुलपति नहीं मिल सका है। पिछले वर्ष अक्टूबर माह में यहां दो बार कुलपति रह चुके प्रो.एमके वर्मा का कार्यकाल पूर्ण हुआ था। इसके बाद वे पुनः एनआईटी रायपुर में प्राध्यापक के अपने मूल पद में सेवाएं दे रहे हैं। यहां भी विज्ञापन जारी किए जाने से लेकर अन्य चयन प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण नहीं हो सकी थी। पं.रविशंकर शुक्ल विवि के वर्तमान कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ल को यहां के कुलपति का प्रभार दिया गया है।

शब्द पहेली - 5795

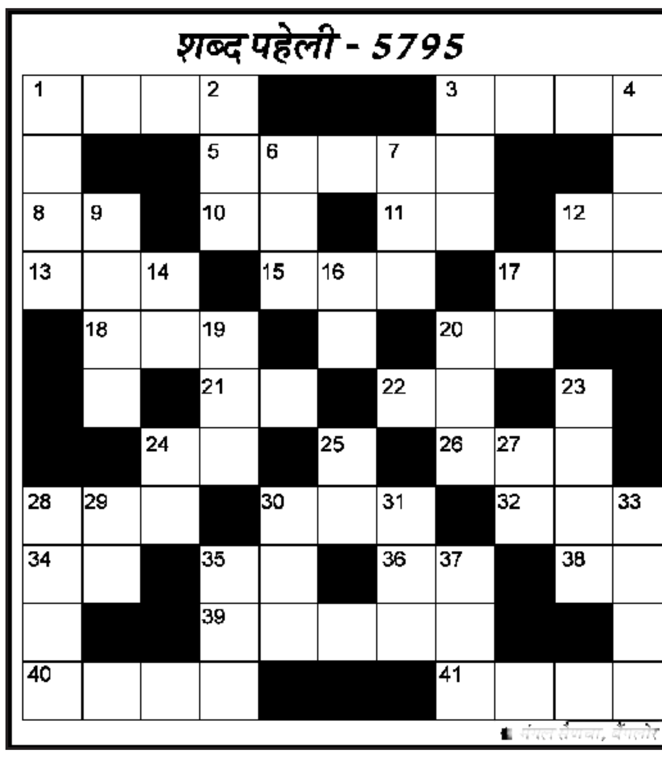

बाएँ से दाए-
1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होना-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अद्दढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5794 का हल

सूडोकु नवताल - 5805

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5804 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

टीसीएस को हुआ सबसे बड़ा नुकसान, अब नहीं रही देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट और वैल्यूएशन गिरा है, टीसीएस को पीछे छोड़कर एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर आ गया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीसीएस अब भले ही देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी हो, लेकिन देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी नहीं रही। इसका अहम कारण कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट और वैल्यूएशन में कमी आना है। टीसीएस को पीछे छोड़कर एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर आ गया है। टीसीएस के शेयर मे मौजूदा साल यानी दो महीनों में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

अब जबकि 6 महीनों में कंपनी के शेयर 23 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप को भी मोटा नुकसान हुआ है। पिछले हफ्ते भी टीसीएस को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। कंपनी के शेयर में 6.68 फीसदी का नुकसान देखने को मिला है। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

रिकॉर्ड लेवल से नीचे गिरा

टीसीएस का शेयर 4,592.25 रुपए के साथ 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया था। जो मौजूदा समय में 3,478 रुपए पर दिखाई दे रहा है। तब से अब तक कंपनी के शेयरों में 1,114.25 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुका है। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयर में रिकॉर्ड 24 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं बीते एक साल में कंपनी के शेयर करीब 15 फीसदी नीचे आ चुके हैं। जिसकी वजह से कंपनी को बड़ा नुकसान हो रहा है।

एक हफ्ते में कंपनी के शेयर 249.10 रुपए गिर चुके

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार एक हफ्ते में कंपनी के शेयर में 249.10 रुपए की गिरावट आ चुकी है। जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर 134.55 रुपए यानी 3.72 फीसदी की कटौती देखने को मिली है। मौजूदा समय में कंपनी के शेयर 3,478 रुपए पर आ चुके हैं।

नहीं रही देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

शेयरों में लगातार गिरावट की वजह से कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। खास बात तो ये है कि कंपनी की वैल्यूएशन अब इतना कम हो गया है कि वो देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी के पायदान से नीचे खिसकर तीसरे पायदान पर आ गई है। आंकड़ों को देखें तो कंपनी को पिछले एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और कंपनी का मार्केट कैप 13 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया। जिसकी वजह से कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनी के पायदान पर आ गई। जबकि एचडीएफसी बैंक दूसरे पायदान पर पहुंच गया। बैंक का मार्केट कैप अभी 13 लाख करोड़ रुपए के ऊपर बना हुआ है।

खबर संक्षेप

इंडिगो पर इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित जुर्माना

नई दिल्ली। इंडिगो ने कहा कि उसपर गुजरात में इनपुट टैक्स क्रेडिट के संबंध में 1.30 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा है और वह आवश्यक कानूनी उपाय पर विचार कर रही है। अहमदाबाद के राज्य के सहायक कर आयुक्त ने एयरलाइन पर 1,30,40,966 रुपये का जुर्माना लगाया है।

भारत में कम अवधि के वीडियो की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू सोशल मीडिया मंच शेयरचैट और मोज के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मनोहर सिंह चरण ने कहा कि भारत में कम अवधि के वीडियो को छोटे शहरों और कस्बों से बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस खंड में आकर्षक स्थानीय सामग्री की बहुत अधिक मांग है। भारत में कम अवधि के वीडियो का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, हालांकि यह अभी शुरुआती दौर में है।

ग्लेनमार्क ने अमेरिका से एडीएचडी दवा वापस मंगाई

नई दिल्ली। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स अमेरिकी बाजार में एक जेनेरिक दवा की करीब 15 लाख बोतलें वापस मंगा रही है, जिसका इस्तेमाल एकाग्रता की कमी और अति सक्रियता विकार (एडीएचडी) के इलाज में किया जाता है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने यह जानकारी दी। मुंबई स्थित दवा विनिर्माता की अनुषंगी कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स इंक, यूएसए कई एटोमोक्सेटिन कैप्सूल की करीब 14.76 लाख बोतलें वापस मंगा रही है।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम टूटे

नई दिल्ली। सरकार के द्वारा बीते सप्ताह आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि किये जाने के बावजूद गत सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। उपलब्धता घटने और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण अकेला बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ।

सरकार ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 3.1 करोड़ टन रखा

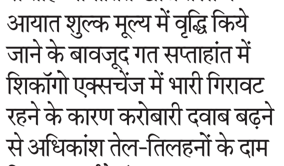

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल से शुरू होने वाले 2025-26 रबी विपणन सत्र के लिए 3.1 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया। कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2024-25 में 11.5 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है, बावजूद खरीद लक्ष्य कम है। राज्य के खाद्य सचिवों के साथ हुई बैठक में गेहूं, धान और मोटे अनाज जैसी रबी फसलों के लिए खरीद लक्ष्य तय किया गया।

डालमिया भारत क्षमता बढ़ाने करेगी निवेश

Dalmia Bharat Limited

नई दिल्ली। सीमेंट विनिर्माता डालमिया भारत ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में 60 लाख टन सालाना सीमेंट क्षमता बढ़ाने के लिए लगभग 3,520 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। कंपनी अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से कर्नाटक में अपने मौजूदा बेलगाम संयंत्र में 36 लाख टन प्रति वर्ष (एमएनटीपीए) क्लिंकर इकाई और 30 लाख टन सालाना ग्राइंडिंग इकाई स्थापित करेगी।

नीति आयोग के सदस्य विरमानी ने कहा- कामगार व जनसंख्या का अनुपात बढ़ा

रोजगार बढ़ रहा पर महंगाई के हिसाब से नियमित कर्मचारियों का वेतन नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि देश में रोजगार तो बढ़ रहा है, लेकिन नियमित नौकरियों के मामले में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी और कौशल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, आप में हुनर है तो उससे नौकरी मिलना आसान हो जाता है।

विरमानी के अनुसार, वैश्विक जनसंख्या के मामले में हमारे पास अवसर है, उसका लाभ उठाने की जरूरत है और इसके लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''पीएलएफएस (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात साल में कामगार-जनसंख्या अनुपात साफ तौर पर बढ़ रहा है।

नौकरियों के मामले में सात साल से पारिश्रमिक महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ा

पीएलएफएस ने जारी की रिपोर्ट

इसका मतलब है कि नौकरियों की संख्या जनसंख्या वृद्धि के मुकाबले अधिक बढ़ रही हैं। इसमें उतार-चढ़ाव भी है लेकिन जो रुख है, वह बताता है कि नौकरियां बढ़ रही है। अतः यह कहना गलत है कि नौकरियां नहीं बढ़ रही हैं।'' उल्लेखनीय है कि पीएलएफएस की सालाना रिपोर्ट 2023-24 (जुलाई-जून) के अनुसार, कामगार-जनसंख्या अनुपात सभी उम्र के व्यक्तियों के मामले में 2023-24 में बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गया, जो 2017-18 में 34.7 प्रतिशत था।

महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ा

जाने-माने अर्थशास्त्री विरमानी ने कहा, ''लेकिन एक बड़ा मुद्दा नियमित वेतन वाली नौकरियां के मामले में है। इस श्रेणी में सात साल में वास्तविक पारिश्रमिक मुद्रास्फीति के हिसाब से नहीं बढ़ा है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक मेरा आकलन है, महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ने का मुख्य कारण है कौशल की कमी है।

शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास जरूरी

विरमानी ने कहा, ''हमने जो विश्लेषण किया है, उसके अनुसार शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास की जरूरत है। कई बच्चे बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं, उनके लिए उसी हिसाब से कौशल विकसित करने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि सभी को एआई (कृत्रिम मेधा) या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बनने के लिए ही कौशल की जरूरत है। हमें उन बच्चों के बारे में भी सोचना है जो बीच में पढ़ाई छोड़ते हैं।

कैजुअल वर्कर का वेतन बढ़ा

विरमानी ने कहा, ''अगर पीएलएफएस में पारिश्रमिक के आंकड़ों को देखें, जो कैजुअल वर्कर (ठेके पर काम करने वाले) हैं, उनका वास्तविक वेतन सात साल के दौरान बढ़ा है और इस दौरान उनकी स्थिति सुधरी है। आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं।''

कौशल के साथ उत्पादकता बढ़ती है

नीति आयोग के सदस्य के अनुसार, यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि कौशल जब बढ़ता है, उत्पादकता बढ़ती है, और वास्तविक वेतन बढ़ता है। यह भारत में भी होता है और दुनिया में भी होता है। हम यह सोचते हैं कि हम जो काम कर रहे हैं, वहीं करते रहें और वेतन बढ़ेगा, यह ठीक नहीं है। अतः स्किलिंग (कौशल विकास) बहुत जरूरी है। और जो काम कर रहे हैं केवल उनके लिए ही नहीं बल्कि जो नये लोग आ रहे हैं, उनमें भी कौशल विकास की जरूरत है।

हिंदुस्तान जिंक पांच साल में उत्पादन दोगुना करेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करके सालाना 20 लाख टन करना है। कंपनी की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने यह बात कही।

■ चेयरपर्सन ने कहा, उत्पादन सालाना 20 लाख टन करना है

हेब्बार ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, 'भारत की इस्पात क्षमता में विस्तार और बुनियादी ढांचे पर अत्यधिक ध्यान के साथ, हिंदुस्तान जिंक 2030 तक अपने उत्पादन को दोगुना करके 20 लाख टन सालाना करने की राह पर है। हमारा जिंक, इस्पात गैल्वनाइजेशन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' कंपनी की जिंक उत्पादन क्षमता इस समय सालाना 11 लाख टन है। हेब्बार ने कहा कि कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों में भी विस्तार कर रही है और उसे देश में कई ब्लॉकों के लिए पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया है। हिंदुस्तान जिंक की रोस्टर और उर्वरक संयंत्र परियोजनाएं भी आगे बढ़ रही हैं। चेयरपर्सन ने कहा, ''चाहे हमारे 'टेली-रिमोट' संचालन हों, जो हमें सतह से भूमिगत खदानों को संचालित करने की क्षमता देते हैं या धातु उत्पादन में उन्नत रोबोटिक्स का इस्तेमाल हो, हम अपने संचालन में मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

उत्पादन चार फीसदी सालाना की दर से बढ़ा

कंपनी के कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से अयस्क निकालने, प्रसंस्करण और धातु उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसकी उत्पादकता लगातार बढ़ रही है। पिछले पांच वर्षों में, कंपनी का धातु उत्पादन चार प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ा है, जबकि चांदी का उत्पादन पांच प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

विदेशी निवेशकों की गतिविधियां डालेगी असर

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिका में शुल्क से संबंधित घटनाक्रमों, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर रह सकती है। अकेले फरवरी में निफ्टी 1,383.7 अंक टूटा है। वहीं इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 4,302.47 अंक नीचे आया है।

पिछले साल 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 के अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। तब से अबतक सेंसेक्स 12,780.15 अंक या 14.86 प्रतिशत नीचे आ चुका है। इसी तरह निफ्टी 27 सितंबर, 2024 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 26,277.35 अंक से 4,152.65 अंक या 15.80 प्रतिशत टूट चुका है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''निवेशकों की

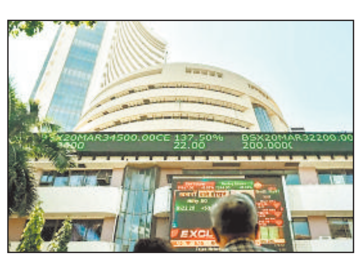

निगाह शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। निकट भविष्य में बाजार की स्थिति कमजोर रहने की उम्मीद है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है।''

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख-शोध, संपदा प्रबंधन प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''हमारा मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा।''

जीडीपी सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही

यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है।

जीडीपी की वृद्धि दर 6.2 फीसदी रही

सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है।

रिजर्व बैंक ने हांगकांग शंघाई बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने अपने ग्राहक को जानें और जमा पर ब्याज दर से संबंधित निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड पर 66.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा, आईआईएफएल समस्ता फाइनेंस लिमिटेड पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण गैर-जमा स्वीकार करने वाली कंपनी और जमा स्वीकार करने वाली कंपनी (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 और अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए 33.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

एनसीएल की 24 हजार करोड़ की पुनर्वास योजना शुरू होगी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोल इंडिया की इकाई एनसीएल जल्द ही मध्य प्रदेश के सिंगरौली में मोरवा कस्बे को स्थानांतरित करने के लिए अपनी 24,000 करोड़ रुपये की पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) परियोजना शुरू करेगी।

'सिंगरौली पुनरुद्धार' परियोजना के तहत इस पुनर्वास में 927 हेक्टेयर में फैले कस्बे से करीब 50,000 लोगों और 22,500 घरों को स्थानांतरित किया जाएगा। सिंगरौली में करीब 60

करोड़ टन खनन योग्य कोयला है। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम ने कहा, ''यह एक बहुत बड़ी परियोजना है जिसकी अनुमानित लागत 24,000 करोड़ रुपये है।

भूमि अधिग्रहण मुद्दे सुलझाने पर काम

फिलहाल एनसीएल भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर काम कर रही है, जिस पर करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आरएंडआर खर्च की भरपाई के लिए एनसीएल मई से कोयले की बिक्री पर 300 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त शुल्क लगाएगी। इससे वित्त वर्ष 2026-27 से इसके अनुमानित 14 करोड़ टन उत्पादन से सालाना करीब 4,200 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश: प्रधान

चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत 35.4 करोड़ डॉलर से अधिक के संयुक्त मूल्यांकन के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है। मंत्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रदर्शनी 'आईइनवेन्टिव'' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। आईइनवेन्टिव शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे पहली बार 2022 में आईआईटी-दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ आईआईटी के प्रदर्शन शामिल थे। प्रधान ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को भी निमंत्रण दिया और वैश्विक स्टार्ट-अप अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान संबंधों को मजबूत करने की मांग की।

भारत का खुदरा क्षेत्र 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के खुदरा क्षेत्र के 2034 तक बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है।

■ सबसे अधिक लाभ खुदरा विक्रेताओं को होगा

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका सबसे अधिक लाभ उन खुदरा विक्रेताओं को होगा जिनके पास देश की विविध जनसांख्यिकी और विपरीत उपभोक्ता व्यवहारों को अपनाने की क्षमता है।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि अलग-अलग उपभोक्ता समूहों के साथ (जिनमें से प्रत्येक की अपनी अनूठी जरूरतें हैं) खुदरा विक्रेताओं को विभिन्न अवसरों को पहचानने

और 'भारत' और 'इंडिया' में सफल होने के लिए वे कहां खेलना चाहते हैं, इसका तेजी से चयन करने की जरूरत होगी।

भारत में खुदरा बाजार 2024 में 82 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह 2014 में 35 लाख करोड़ रुपये का था। पिछले दशक के दौरान देश का खुदरा क्षेत्र सालाना 8.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की आर्थिक वृद्धि तथा विविधता वाले उपभोक्ता आधार की वजह से खुदरा क्षेत्र तेजी से बढ़ा है।

भारत की उपभोग वृद्धि का रुख अच्छा रहा

रिपोर्ट कहती है कि कोविड-19 महामारी के समय को छोड़कर भारत की उपभोग वृद्धि का रुख अच्छा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय खुदरा क्षेत्र 2024-34 के दौरान सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार है। इसमें कहा गया है कि भारतीय खुदरा क्षेत्र विशाल है और इसके 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने की उम्मीद है।

नई कीमत 4.23 लाख रुपए, पहले 4.09 लाख थी

मारुति ने लांच कर दी 6 एयरबैग वाली ऑल्टो के-टेन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मारुति ऑल्टो इंडिया के सबसे पॉपुलर कारों में से एक रही है। कंपनी अब इसे ऑल्टो के10 नाम से सेल करती है। इसके पॉपुलर होने का एक कारण ये भी है कि ये इंडिया की सबसे सस्ती कारों में से एक है। अब कंपनी ने इसे 6 एयरबैग सेटअप के साथ अपडेट किया है। यानी अब आपको ये बजट कार ज्यादा सेफ्टी के साथ मिलने वाली है। 6 एयरबैग जुड़ने के बाद इस कार की कीमत भी बढ़ गई है। 6 एयरबैग सेटअप के साथ अब इस कार की कीमत 16,000 रुपए तक बढ़ा दी गई है। अब इस कार की शुरुआती कीमत 4.23 लाख रुपए हो गई है। पहले यह कीमत 4.09 लाख रुपए थी। भारत में सरकार ने कारों में सेफ्टी के लिए नए रेग्युलेशन जारी किए हैं। इसलिए कंपनियां लगातार अपने मॉडल्स को 6 एयरबैग्स के साथ अपडेट कर रही हैं।

इस कार में अब कई नए सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं

मारुति ऑल्टो के10 सेफ्टी किट

पीछे के यात्रियों के लिए 3-पॉइंट सीट बेल्ट भी जोड़े गए । 6 एयरबैग के अलावा, मारुति ऑल्टो के10 के सुरक्षा सूट में रियर पार्किंग सेंसर, सभी पीछे के यात्रियों के लिए 3-पॉइंट सीट बेल्ट, सामान-प्रतिधारण क्रॉसबार, इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता कार्यक्रम (ईएसपी), एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) और इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक-फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (ईबीडी) शामिल हैं।

मारुति ऑल्टो के10 की सेल

मारुति ऑल्टो के10 के 74 प्रतिशत खरीदार पहली बार आए हैं यानी फर्स्ट टाइम बायर्स हैं। 2000 में बजट हैचबैक के भारत में आने के बाद से मारुति सुजुकी ने ऑल्टो की 46 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेची हैं। कंपनी के चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स एग्जीक्यूटिव, पार्थो बनर्जी ने भी कहा कि ऑल्टो के10 के 74 प्रतिशत खरीदार पहली बार कार खरीद रहे हैं।

सुरक्षा का नया स्तर दिया

मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 की सुरक्षा को एक नया स्तर दिया है। अब यह 6 एयरबैग्स के साथ स्टैंडर्ड रूप में उपलब्ध होगी। यह अपग्रेड इसे सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाता है। ऑल्टो के10 में अब फ्रंट ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग के अलावा, साइड और कर्टन एयरबैग्स भी जोड़े गए हैं। इसके अलावा कार में एबीएस, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम , रिवर्स पार्किंग सेंसर और ऑटो गियर टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स भी मिलते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नई आबकारी नीति पर ...

अब नहीं रहेगी सशक्त समिति

मंत्रिपरिषद द्वारा ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के हित को देखते हुए ई-प्रोक्योरमेंट के लिए गठित सशक्त समिति को समाप्त करने का निर्णय लिया। चूंकि वर्तमान में पीएफआईसी द्वारा 100 करोड़ रूपए से उपर की परियोजनाएं स्वीकृत की जा रही हैं। बड़ी आईटी परियोजनाओं के संबंध में पहले से सशक्त समिति अनुमोदन की अनिवार्यता होने से अनुमोदन प्रक्रिया का डुप्लिकेशन होता है। इस कारण सशक्त समिति को समाप्त करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और उपभोक्ता मामलों की समयबद्ध सुनवाई के लिए सदस्य का एक नवीन पद सृजित होगा।

नई आबकारी नीति ...

छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा होगा। मदिरा पर लागू अधोसंरचना विकास शुल्क यथावत रहेगा। विदेशी मदिरा फुटकर दुकानों पर 9.5 प्रतिशत की दर से लगने वाला अतिरिक्त आबकारी शुल्क समाप्त होगा। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ लोक परिसर (बेदखली) (संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

अब तक का सबसे बड़ा...

इस बार भी पेश होगा डिजिटल बजट

वित्त मंत्री डिजिटल तरीके से बजट पेश करेंगे। वे विधानसभा में टेबलेट के जरिए बजट प्रस्तुत करेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछली बार भी टेबलेट के माध्यम से बजट पेश किया गया था। खास बात ये कि राज्य के बजट में बड़ा इजाफा हो रहा है। कई सेक्टर के लिए खुला खजाना इस बार फिर बढ़ेगा। मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल से अधिक हो गए। इस साल वार्षिक बजट का आकार पौने दो लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच चुका है यानी करीब 30 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है। जाहिर है, आने वाले साल में बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच जाएगा। मूल बजट के अलावा हर साल अनुपूरक बजट भी पेश होते रहे हैं, इसलिए सालाना आंकड़ा तेजी से उछले। राज्य बनने के बाद बजट 5700 करोड़ रुपए से शुरू हुआ था। 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग कर छत्तीसगढ़ नया राज्य बनाया गया, जिसके बाद कांग्रेस नेता अजीत जोगी के नेतृत्व में राज्य की पहली सरकार बनी थी। तब से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के बजट का इतिहास दिलचस्प रहा है। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर बजट मुख्यमंत्री ने ही पेश किए हैं।

इन क्षेत्रों पर हो ...

पैसा दिया है। उसके बाद कृषि और संबद्ध सेवाओं का नंबर आता है। स्वास्थ्य, परिवहन, पुलिस, ग्रामीण विकास, उर्जा, समाज कल्याण और पोषण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी बजट आवंटन का बड़ा हिस्सा गया है। इस बार के बजट में भी यही क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता वाले हो सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ...

बीच आई है। प्रधान ने कहा, मैं कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का जवाब नहीं देना चाहता।

पूर्व सेबी चीफ बुच ...

के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा और 30 दिनों के भीतर मामले की स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। इसमें कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

पहली महिला ...

के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगा और सभी मामलों में उचित विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

वक्त की कसौटी पर...

खरे उतरे हैं। भाजपा के जहां सभी नगर निगमों में महापौर बने हैं, वहीं 49 में से 35 नगर पालिकाओं में भाजपा के अध्यक्ष जीते। इसी तरह से 114 नगर पंचायतों में से 81 में भाजपा के अध्यक्ष जीते। यहां पर 84 नगर पंचायतों में भाजपा को बहुमत मिला। भाजपा को महौपार और अध्यक्षों के चुनाव में 56 फीसदी से ज्यादा मत मिले, जबकि पार्षदों के चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 46.62 फीसदी रहा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारा दिया था, पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक और पार्षद से लेकर प्रधानमंत्री तक भाजपा का ही प्रतिनिधित्व रहेगा। इस पर जनता ने मुहर लगाते हुए भाजपा को प्रदेश में ऐतिहासिक जीत दिलाने का काम किया है।

महापौर ने ली...

निगम की नई सरकार के शपथ ग्रहण का समारोह शहर के पीजी कॉलेज मैदान के हॉकी स्टेडियम परिसर में किया गया था। नगर निगम चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने के बाद भारी मतों से जीतकर आई नगर निगम की पहली महापौर मंजूषा भगत और पार्षदों के शपथ ग्रहण को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई थी। शपथ ग्रहण के समारोह में शामिल होने के लिए खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहमति दी थी ऐसे में शपथ ग्रहण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में भी खासा उत्साह था। रविवार को हॉकी स्टेडियम में नवनिर्वाचित महापौर एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सरगुजा ने नवनिर्वाचित महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं पार्षदों को 8-8 के समूह में शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने नव निर्वाचित महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं पार्षदों को बधाई देकर नगर विकास के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव, वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, पूर्व जिला अध्यक्ष ललन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ना गंगाजल का छिड़काव, ना बदली कुर्सी

कांग्रेस ने बनाई...

में यह पहली बार हुआ है कि शहर सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष शामिल ना हुआ हो। पहले के दस साल भाजपा या फिर पिछले दस साल के कांग्रेस के शासन काल के दौरान शपथ ग्रहण में विपक्ष शामिल होता था। इस बार बयान के बाद मचे बवाल के कारण कांग्रेस ने चेतावनी दी थी कि मंजूषा भगत अपने बयान को लेकर माफ़ी मांगे अन्यथा कांग्रेस शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करेगी और विपक्ष का कोई भी पार्षद शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होगा। समारोह के दौरान हुआ भी यही।

गंगा जी को विवादित...

कि अब कांग्रेस कहां पर है सभी को मालूम है। बड़े जनादेश के रूप में जनता का विश्वास मिला था पांच साल तक अवसर दिया गया जिसे गंवा दिया और उम्मीदों पर खरा नहीं उतरे इस लिए अपनी जगह पहुंच गए है। श्री साय ने कहा कि नगर निगम अंबिकापुर की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ जिसमें हम सभी लोग साक्षी बने। इस अवसर पर सबसे पहले महापौर मंजूषा भगत और भी सभी निर्वाचित पार्षदों को बधाई है। भाजपा को जनता का बहुत बड़ा विश्वास मिला है। सीएम के नाते कह सकता हूँ की हमारे मेयर और पार्षद जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे। जो भी विकास की आवश्यकता होगी उसे सरकार पूरा कराएगी। निकाय के विकास हेतु जो अटल विश्वास पत्र लाया गया है उसका भी शत प्रतिशत क्रियान्वयन होगा।हमारी सरकार और पार्टी जो कहती है वो करती है।

बिना बर्थ सर्टिफिकेट...

1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले आवेदकों के लिए जन्म प्रमाणपत्र ही जन्मतिथि का एकमात्र वैध प्रमाण माना जाएगा। वहीं, पुराने आवेदक अन्य दस्तावेजों का विकल्प चुन सकते हैं। इन बदलावों का उद्देश्य फर्जी दस्तावेजों को रोकना और प्रक्रिया को ज्यादा प्रभावी बनाना है। यदि आप पासपोर्ट बनवाने की सोच रहे हैं, तो इन नए नियमों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
20 वर्षों से प्रसिद्ध
सुखौना टेबलेट
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-ट्रेक्टर ट्राली, वाटर टेंकर एवं अन्य कृषि उपकरण बनाने हेतु अनुभवी मिस्त्री या ठेकेदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 98276 83510, 9827892413 (37012)

आवश्यकता है-सीए आफिस में काम करने हेतु चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 4 से 8बजे तक पलाश पमनानी एंड एसोसिएट्स सिन्ध ऑटो स्टोर्स के पास गांधी चौक बिलासपुर (37007)

आवश्यकता है-छत्तीसगढ़ स्टेशनरी एवं बुक डिपो में कार्य करने हेतु मेहनती, ईमानदार लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है ग्रामीण युवकों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- छत्तीसगढ़ स्टेशनरी एवं बुक डिपो मोपका 9098159968 (37014)

आवश्यकता है-बेलियाटा द फैमिली सैलून में कार्य करने हेतु अनुभवी हेयर स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर की आवश्यकता है 4साल कार्य अनुभव अनिवार्य है सम्पर्क करें- सरकण्डा, मंगला चौक, भारतीय नगर चौक, बिलासपुर 99071 67890, 9753339324, 6261084748 (37005)

आवश्यकता है-रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी में भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के कार्य के लिए डीजीआर रेट पर सिर्फ कोरबा में ड्यूटी के इच्छुक ही सम्पर्क करें- 9109792914 (6243)

आवश्यकता है-किताब दुकान में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से शाम 5बजे तक विवेक बुक डिपो गुरुद्वारा के पास मेन रोड, दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (37010)

आवश्यकता है-पार्ट्स दुकान में काम करने हेतु युवक, युवती चाहिए कार्य समय सुबह 10बजे से 7:30 बजे सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से शाम 5बजे तक जी.बी. ऑटो, इंदू चौक बिलासपुर 93003 33371 (37008)

आवश्यकता है-व्यापार विहार स्थित हॉटल श्रीश्याम इंटरनेशनल में अनुभवी जनरल मैनेजर एवं तिफरा सब्जी मंडी ऑफिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9893599044 (सुबह 10 से 1 एवं शाम 5 से 7) (37009)

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा,गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (37013)

आवश्यकता है-इडली, दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी कुक की आवश्यकता है (कार्य समय सुबह 6:30 से शाम 4 बजे तक) सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9098859081, 6265338482 (37000)

आवश्यकता है-ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोर्ट के पास रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 (37003)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल दुकान में डाटा एंट्री, एकाउंटिंग एवं सेल्स कार्य हेतु लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सूरज इलेक्ट्रीकल्स C-21, नेताजी कॉम्प्लेक्स मन्दिर चौक, जरहाभाठा बिलासपुर 93015 86381, 9827181236 (37011)

आवश्यकता है-कॉलोनी में सुरक्षागार्ड हेतु योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक सम्पर्क करें- सुबह 10 से 3बजे तक रामा वैली आवासीय सहकारी समिति कार्यालय, प्रथम तल ऑफिस नं.-3 शॉपिंग काम्प्लेक्स बोदरी बिलासपुर 8827283767 (36994)

आवश्यकता है-मेंस वेयर (रेडीमेड शॉप) में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शगुन मेंस वेयर सिम्स के सामने सदर बाजार रोड बिलासपुर (36995)

आवश्यकता है-इंग्लिश मीडियम स्कूल में हेडमिस्ट्रेस, शिक्षिकाएं एवं महिला प्यून चाहिए। बीएड/ डीएलएड, कम्प्यूटर अनुभवी, स्पोकन इंग्लिश वालों को प्राथमिकता पता- भारत भारती विद्या मंदिर, कस्तूरबा नगर, बिलासपुर 9300654801 (व्हाट्सएप) 7489885833 (36996)

आवश्यकता है-वर्षा फैशन में काम करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वर्षा फैशन, शॉप नं.-62, नरेश बाजार काम्पलेक्स, तेलीपारा रोड, बिलालपुर 98270 96909, 7223056909 (36998)

आवश्यकता है-सफाई कर्मचारी, रिसेप्शन के लिए अनुभवी व्यक्ति, कुक एवं हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल शिवनेरी सीएमडी कालेज ग्राउंड के सामने लिंक रोड बिलासपुर 7776864202 (36962)

आवश्यकता है-ज्वैलरी शोरूम में कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हॉटल अजीत के बगल में तेलीपारा, बिलासपुर 8839666481, 9827170615 (36999)

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु तीन कुक वेज/ नॉनवेज, दो तन्दूर मास्टर, दो हेल्फर, वेटर होटल स्टाफ की आवश्यकता है पता- ढाबा देशी तड़का उसलापुर बिलासपुर 9300659187 (व्हाट्सएप करें) (36990)

आवश्यकता है-घर के कार्य हेतु अनुभवी महिला/ युवती चाहिए (जो घर के सभी कार्य कर सके) वेतन 6000 से 10000 कॉल करने का समय सुबह 8 से 11बजे सम्पर्क करें- 9977416604 (36991)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, एचआर एवं बिजनेस डेवलपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 99776 49371 (36976)

आवश्यकता है-सायकल दुकान में कार्य करने हेतु सेल्सगर्ल एवं टैली आपरेटर की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- शरन सायकल एंड फिटनेस वसंत विहार कालोनी के पास, सीपत रोड बिलासपुर 9827165670 (36980)

आवश्यकता है-अंकुर डेली नीड्स में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अंकुर डेली नीड्स भाटिया पेट्रोल पम्प के पास महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8085813131 (36983)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें- कॉसमॉस क्रॉकरी सेन्टर जगदीश लॉज के बाजू में सदर बाजार बिलासपुर 7089315253 (36973)

आवश्यकता है-बच्चा संभालने हेतु एवं घर कार्य हेतु 24 घंटे की बाई चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थानः तेलीबांधा रायपुर सम्पर्क करे 9575042814 (3341)

आवश्यकता है-बिलासपुर एवं रायपुर में घर काम करने हेतु लड़की एवं महिला की आवश्यकता है रहने, खाने की सुविधा मुफ्त रहेगी। वेतन 10000 से 12000 प्रति माह सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 (36969)

आवश्यकता है-काव्या इंटरप्राइजेस में टेलीकॉलिंग, ऑफिस एवं फील्ड कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 से 10000 सम्पर्क करें- HDFC बैंक के सामने मेन रोड तोरवा बिलासपुर 6268047695, 7509347230 (36971)

आवश्यकता है-पेट्रोल पम्प में ड्राइवर, पम्प ऑपरेटर, मैनेजर सफाई कर्मी, चौकीदार एवं अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जियो बीपी मंदिर चौक बिलासपुर 9201205677 (36966)

आवश्यकता है-स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु पार्टटाइम लड़के/ लड़की की आवश्यकता है अनुभवी सम्पर्क करे- भाटिया इंटरप्राइजेज नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (36982)

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 90 लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार शोरूम में सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग, स्विमिंग पूल के सामने, मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 81090 90000, 8319397645 (36985)

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 (3160)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है एक्सपीरियंस, टैली के नॉलेज के साथ बेसिक जानकारी भी हो सम्पर्क करें- एक्सपर्ट सिक्योरिटी सर्विस, साईं धाम, जेजे हॉस्पिटल के पास, तोरवा बिलासपुर 8253010291 (36951)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- टैंगो सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस 603 ऑरेंज हाइव 6th फ्लोर मोवा रायपुर 8109070600, 78692 30888 (2476)

आवश्यकता है- लोकल एवं बाहर प्लास्टिक पाईप डिलीवरी के लिए पिकप/ छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 12000+ भत्ता (अनुभव के अनुसार) सम्पर्क करें- सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9300734341 (36979)

आवश्यकता है-एक अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है जो जीएसटी टैली का काम जानता हो सम्पर्क करें- सीए अरुण अग्रवाल मेन रोड विद्या नगर बिलासपुर 9329193601 (36963)

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में काम करने हेतु जेंट्स तथा लेडीज सेल्समेन्स मेहनती स्टॉफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार दिया जाएगा सम्पर्क करें- 70009 41144 (36977)

आवश्यकता है-एक शिक्षित व्यक्ति की आवश्यकता है जो 2-3 घंटे 5 वर्षीय बालक को पढ़ाने एवं गतिविधी हेतु सक्षम हो सम्पर्क करें- 7880241761 9425219432 वेतन योग्यता अनुसार (36964)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़के, लड़कियां चाहिए। लड़कों के लिए आवास सुविधा वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फैशन परेड, हनुमान मंदिर के सामने देवकीनंदन चौक, बिलासपुर 9827462467, 9300612477 (36972)

आवश्यकता है-हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु नर्स (BSc नर्सिंग) टेक्नीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर मार्केटिंग स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 5 से 7बजे तक सांईबाबा हॉस्पिटल रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 9827150429 (36949)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष तक सैलरी 5000+ कमीशन बोनस सम्पर्क करें- 8085106943 (3338)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें 7439736348 (704)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 10वीं पास सैलरी+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक के पास लिंक रोड बिलासपुर 9691077324, 62614 23967 (706)

आवश्यकता है-Hp world बिलासपुर में सेल, सर्विस हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करे- 9300803301 (36968)

आवश्यकता है-सीमेंट मार्केटिंग एवं बिजनेस बढ़ाने हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है न्यूनतम अनुभव 3वर्ष, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। शीघ्र सम्पर्क करें- मीनाक्षी सेल्स, पुराना हाईकोर्ट के सामने, बिलासपुर 9754002100 (36865)

आवश्यकता है-घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 96692 11111, 9827175811 (36984)

आवश्यकता है-होटल में कार्य महिला/ पुरुष पोस्ट वेटर, सफाई कर्मचारी, कुक/ शेफ किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, रेस्टोरेंट, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट कार्य जानकार को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- होटल अपना केसरी होटल शिव-प्रभा, पावर हाऊस भिलाई 9893215251, 8966981590 (690)

आवश्यकता है-छत्तीसगढ़ के हर जिलों में ड्राइवरों की आवश्यकता है एवं पार्ट टाईम फुल टाईम काम करने वाले लड़को की भी आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9202875080 (3340)

आवश्यकता है-अप्रेंटिसशिप अवसर भिलाई के एक प्रतिष्ठित निजी उद्योग में 25 अप्रेंटिस पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है कार्यकाल 1 वर्ष कॉन्ट्रैक्ट आधारित रहेगा स्टाइपेंड 9000-10000 प्रति माह योग्यता डिप्लोमा इंजीनियर, ITI मशीनिस्ट, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, फाउंड्री बीकॉम, बीएससी केवल 2023 -24-25 में उत्तीर्ण उम्मीदवार आवेदन कर सकते है संपर्क करें- 9406082834 Email- hrdept.bhilai123@gmail.com (6239)

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेंसी में कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड संपर्क करें- कार्य स्थल कार का शो रूम बजाज शो रूम एवं मैरिज रिसॉर्ट सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (3339)

आवश्यकता है-वन विभाग तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वन रक्षक, फील्ड ऑफिसर, माली, सिपाही, ड्राइवर, वेतन- 27500 से 52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, मार्क शीट, पैन कार्ड व्हाट्सएप करे- 7460994309 (701)

बेचना है

बेचना है-बिलासपुर में सर्व सुविधा युक्त T&C कॉलोनी में 4BHK मकान बेचना है केवल खरीददार ही सम्पर्क करें- 9617881169, 96697 15765 (37004)

बेचना है-डायवर्टेड प्लॉट 30×58 मेन रोड ऊपर मटियारी, बेलतरा चौक, सीपत रोड में बाउंड्री वॉल किया हुआ शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9425545552 (37006)

बेचना है-नेहरू चौक से 320 मीटर दूर स्थित इंजीनियर कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान शीघ्र बेचना है कीमत 72 लाख, खरीददार ही सम्पर्क करे-9039777760 (36989)

बेचना है-रायपुर रोड, हाईकोर्ट के सामने, मेन रोड से 50 मीटर अन्दर न्यू एयरपोर्ट रोड, बोदरी में 50×200= 10000 वर्गफीट व्यवसायिक डायवर्सन बाउन्ड्री वाल सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9300310774 (36975)

बेचना है-नेहरू नगर प्राईम लोकेशन अर्चना विहार के पास दो मंजिला 3BHK स्वतंत्र पूर्व दिशा मकान एवं सकरी NH से लगा T&C कालोनी में प्लाट एवं 2BHK नवनिर्मित स्वतंत्र मकान बेचना है। सम्पर्क- घोष एसोसिएट्स 9425220523, 9827875257 (36967)

बेचना है-बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्व सुविधा युक्त 2BHK, 25×40= 1000 वर्ग फीट में बना हुआ नव निर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है सम्पर्क करें- 9340252857 (36988)

बेचना है-बिलासपुर गोल्डन पार्क T&C कॉलोनी हाईकोर्ट से लगा 1820 वर्गफीट जमीन एवं मकान भारतीय नगर माधव तालाब के पास 2236 वर्गफीट में बना डबल स्टोरी बेचना है सम्पर्क करें- 9425228826 (36974)

बेचना है-बिलासपुर में श्रीराम टावर व्यापार विहार के प्रथम तल एफ ब्लॉक में 1500 वर्गफुट का हॉल/ ऑफिस मार्बल लगा हुआ दो बाथरूम अटेच, लिफ्ट सुविधा के साथ बेचना है सम्पर्क करें- 94252 19078 (36941)

किराया

किराया-विद्या नगर में 2BHK फर्निश्ड फ्लैट्स एवं दो सेमी फर्निश्ड फ्लैट किराये से देना है। केवल शाकाहारी परिवार ही सम्पर्क करें- 98849 10066, 9425531853, 9826677042 (36981)

किराया-VR Plaza Link Road में First Floor में 250 वर्गफुट शानदार आफिस किराये से देना है सम्पर्क करें- 7412933333 (36987)

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 (3194)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।
रस-रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित्त कफ से सबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, ऊंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फूंसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना, रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग(इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान !
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईंटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

विदर्भ तीसरी बार बना रणजी ट्रॉफी चैंपियन, खिताबी मुकाबला रहा ड्रॉ

एजेंसी ⏭ नागपुर

विदर्भ ने रविवार को अपने घरेलू मैदान पर खेले गए फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जीत लिया। विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। केरल ने इसके जवाब में 342 रन बनाए। विदर्भ को पहली पारी के आधार पर 37 रन की बढ़त मिली। विदर्भ ने मैच के पांचवे दिन तक दूसरी पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए और केरल को खेलने के लिए बुलाए बिना ही मैच ड्रॉ करने का ऐलान किया गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे पहले 2017-18 और 2018-19 सत्र में लगातार दो खिताब जीते थे।

विदर्भ सर्वश्रेष्ठ टीम

अक्षय वाडकर की कप्तानी और मुख्य कोच उस्मान गनी की अगुआई वाली टीम ने पूरे रणजी ट्रॉफी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विदर्भ लीग चरण में सभी चार ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ टीम रही, जिसने सात मैच में से छह जीत के साथ 40 अंक हासिल किए।

दानिश प्लेयर ऑफ द मैच

विदर्भ ने रविवार सुबह 249/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 126 रन जोड़े और 5 विकेट गंवा दिए। दानिश मालेवार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने विदर्भ के लिए पहली पारी में 153 और दूसरी में 73 रन बनाए। टीम के लिए दूसरी पारी में करुण नायर ने 135 रन बनाए। दर्शन नालकांडे ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

10 मैच में से 9 मैच जीते

विदर्भ ने इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में खेले गए 10 मैच में से नौ में जीत हासिल की जो भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में टीम के प्रभुत्व को दर्शाता है।

जीत के हीरो

हर्ष दुबे : 69 विकेट, 476 रन

22 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में 69 खिलाड़ियों को आउट करके सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया जो बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर रहा। दुबे ने 10 मैच में पांच अर्द्धशतकों के साथ 476 रन भी बनाए।

यश राठौड़ : 5 शतक, 960 रन

बाएं हाथ के बल्लेबाज यश राठौड़ ने 10 मैचों में पांच शतकों और तीन अर्द्धशतकों की मदद से 53.33 के औसत से 960 रन बनाकर बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया।

करुण नायर : 5 शतक, 863 रन

नायर ने सिर्फ विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतकों के साथ ही टीम का नेतृत्व नहीं किया बल्कि रणजी ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे, उन्होंने नौ मैच में 53.93 के औसत से चार शतकों और दो अर्द्धशतकों की मदद से 863 रन बनाए।

दानिश मालेवार : 783 रन

21 वर्षीय दानिश मालेवार दो शतकों और छह अर्द्धशतकों की मदद से 52.20 के औसत से 783 रन बनाकर पांचवें स्थान पर रहे, उन्होंने फाइनल में 153 और 73 रन बनाए।

अक्षय वाडकर 722 रन

कप्तान अक्षय वाडकर भी पीछे नहीं रहे, वह 10 मैच में 45.12 के औसत से दो शतक और इतने ही अर्धशतकों के साथ 722 रन बनाकर सातवें स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

रित्विक चिली ओपन युगल चैंपियन

नई दिल्ली। भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारियेंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोंजालेस को सीधे सेटों में हराकर सैंटियागो में चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता। रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोंजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 11 ऐस लगाए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

दिल्ली एफसी ने 10 मैच के बाद चखा जीत का स्वाद

माहिलपुर। दिल्ली एफसी ने रविवार को यहां आई-लीग में डेम्पो

स्पोर्ट्स क्लब को 2-1 से हराकर 10 मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच के सभी गोल पहले हाफ में हुए। दिल्ली की टीम के लिए समीर बिनॉन्ग (चौथे मिनट) और विक्टर कामहुका (20वें मिनट) ने गोल किए जबकि मार्कस जोसेफ (35वें मिनट) ने डेम्पो के लिए गोल किया। इस जीत के बावजूद दिल्ली तालिका में सबसे नीचे (17 मैचों में 13 अंक) है। दिल्ली एफसी ने बीते साल 19 दिसंबर को शिलांग लाजोंग एफसी के खिलाफ अपना पिछला मैच जीता था। इसके बाद टीम ने 10 मैच खेले और सिर्फ दो ड्रॉ करने में सफल रहा।

चैंपियंस ट्रॉफी : चक्रवर्ती पांच विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज

भारत जीत से शीर्ष पर, सेमीफाइनल में कल ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी चुनौती

- न्यूजीलैंड 44 रन से हारा, हेनरी और विलियमसन की पारी बेकार
- वनडे : कोहली 300 मैच खेलने वाले दुनिया के 22वें क्रिकेटर

एजेंसी ⏭ दुबई

वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के जादू से भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में न्यूजीलैंड को रविवार को यहां 44 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी लेकिन भारत की इस जीत से सेमीफाइनल का कार्यक्रम तय हो गया। भारत के सामने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड के सामने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी।

भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी की मदद से नौ विकेट पर 249 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 45.3 ओवर में 205 रन पर आउट कर दिया।न्यूजीलैंड के लिए केन विलियमसन ने 120 गेंद में 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन दूसरे छोर से उन्हें तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। चक्रवर्ती की फिरकी का न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। वह चैंपियंस ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा (2013) और मोहम्मद शमी (2025) के बाद पांच विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज है। कुलदीप यादव को दो सफलता मिली जबकि हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाए।

अय्यर का सयंमित अर्धशतक

भारत ने शुरुआती सात ओवर में 30 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन अय्यर ने 98 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के की मदद से 79 रन की संयमित पारी खेलने के अलावा अक्षर पटेल (42) के साथ चौथे विकेट के लिए 136 गेंद में 98 रन की साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा। उन्होंने लोकेश राहुल (23) के साथ भी 42 गेंद में 44 रन की साझेदारी की। अक्षर ने 61 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवरों में हार्दिक पंड्या ने 45 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 45 रन बनाकर टीम को 250 रन के करीब पहुंचाया।

हेनरी ने किए 5 शिकार

मैट हेनरी ने आठ ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्हें टीम के दूसरे गेंदबाजों अच्छा साथ मिला। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन, विलियम ओ'राउरकी, कप्तान मिचेल सेंटनर और रचिन रविंद्र ने एक-एक विकेट लिए। न्यूजीलैंड के क्षेत्ररक्षकों ने कुछ कमाल के कैच पकड़ने के साथ अहम रन बचाए।

युकी ने दुबई में जीता पहला एटीपी 500 युगल खिताब

एजेंसी ⏭ दुबई

भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरुष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैंपियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता। इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे।

भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी।

सेमीफाइनल की 4 टीमें एक ही शहर में मौजूद

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी प्रतिद्वंद्वी की अनिश्चितता के कारण ग्रुप बी की शीर्ष दो टीमें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दुबई में मौजूद है। किसी वैश्विक टूर्नामेंट में ऐसा कम ही होता है कि अंतिम चार में पहुंचने वाली टीमों के लिए भविष्य की योजना पूरी तरह से साफ ना हो। ग्रुप ए से अंतिम चार में प्रवेश करने वाले भारत और न्यूजीलैंड को अगर इसमें शामिल कर लें तो वर्तमान में दुबई में सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी चारों टीमें है। ऑस्ट्रेलिया अंतिम चार में जगह पक्की करने के बाद शुक्रवार देर रात कराची से दुबई के लिए उड़ान भरी। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर अपने अंकों की संख्या पांच कर ली और ग्रुप बी में शीर्ष पर रहते हुए दुबई जाने वाली फ्लाइट में सवार हो गया।

सुधार के लिए अफगान से सीख ले वेस्टइंडीजः रिचर्ड्स

मुंबई। चैंपियंस ट्रॉफी में वेस्टइंडीज की अनुपस्थिति से 'निराश' और 'आहत पूर्व महान खिलाड़ी सर विवियन रिचर्ड्स चाहते हैं कि कैरेबियाई टीम खुद को विश्व क्रिकेट में एक ताकत के रूप में फिर से स्थापित करने के लिए अफगानिस्तान से सीख ले। वेस्टइंडीज और श्रीलंका दो ऐसी टीमें है जो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है लेकिन पाकिस्तान और दुबई में खेले जा रहे आठ-टीमों की प्रतियोगिता में के मौजूदा सत्र के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहीं। 'इंटरनेशनल मास्टर्स लीग' के संचालन समिति के सदस्य रिचर्ड्स ने रविवार को मीडिया से कहा, 'मैं बस उम्मीद कर रहा हूं कि मेरी वेस्टइंडीज टीम इन लोगों की किताब से सीख ले सकती है, क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने खेल में जुनून और ऊर्जा भर दी है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने स्पिन गेंदों का किया अभ्यास

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार दोपहर आईसीसी अकादमी में तीन घंटे का गहन अभ्यास सत्र आयोजित किया जिसमें उनका पूरा ध्यान स्पिन के खिलाफ अभ्यास पर लगा था। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जहां हल्का अभ्यास किया, वहीं युवा खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी अकादमी के सात नेट गेंदबाजों को चुना जिसमें सभी स्पिनर थे। इनमें बाएं हाथ के धीमी गति के गेंदबाज हर्षित सेठ के अलावा दो बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज, इतने ही ऑफ स्पिनर और एक लेग स्पिनर शामिल था।

केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर, कोरिया छत्तीसगढ़ 497335
KENDIRIYA VIDYALAYA BAIKUNTHPUR
चल-साक्षात्कार (Walk-in-interview)

शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु अंशकालीन संविदा शिक्षकों के विभिन्न पदों हेतु पैनल निर्माण के लिए केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर परिसर में चल-साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि पदों की योग्यता, आवेदन प्रपत्र एवं अधिक जानकारी के लिए विद्यालय की website https:// seclbaikunthpur.kvs.ac.in/या गूगल ड्राइव https://drive. google.com/ drive/folders/ 1CJf2w8HMN5SV0pq loHSC2S6dzUXNgF ?usp=sharing का अवलोकन करें। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी समस्त मूल प्रमाणपत्रों एवं उनकी दो स्वहस्ताश्ररित छायाप्रतियाँ एवं 02 नवीनतम पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो के साथ प्रातः 8:30 से 09:30 बजे के मध्य नियत दिनांक एवं पद के अनुरूप उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र विद्यालय की website से अनिवार्य रूप से डाउनलोड कर लेंगे। विलम्ब से आने वाले अभ्यर्थियों पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने पर लिखित परीक्षा ली जाएगी।

दिनांक	पद
21.03.2025 शुक्रवार	स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी, बायोलॉजी, गणित, फिज़िक्स, केमिस्ट्री, कॉमर्स, अंग्रेजी, इकोनॉमिक्स), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी, विज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित) खेलकुद प्रशिक्षक, योगा प्रशिक्षक, स्टाफ नर्स, काउंसलर
22.03.2025 शनिवार	स्नातकोत्तर शिक्षक (कंप्यूटर साइंस), कंप्युटर इन्स्ट्रक्टर, प्राथमिक शिक्षक, विशेष शिक्षक (Special Educator), संगीत शिक्षक, बालवाटिका-शिक्षक

प्राचार्य

2036 खेलों को लेकर कई अन्य देश भी दौड़ में शामिल

ओलंपिक मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी।

भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने साक्षात्कार में कहा, 'मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई। पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीए, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं।

खत्म नहीं करें महत्वाकांक्षा

भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए। को ने कहा, 'बहुत से शहरों ने बोली लगाई और लेकिन उनकी बोली स्वीकार नहीं हुई। दिलचस्प बात यह है कि जब लंदन ने 2005 में (2012 चरण के लिए) बोली हासिल की थी, तो उसने पेरिस को हराया था। हम सभी अभी पेरिस ओलंपिक खेलों (2024) में गए थे। रियो उन शहरों में से एक था जो 2012 की बोली के लिए शुरुआती मूल्यांकन से आगे नहीं बढ़ पाया था। और ब्रिटेन के तुरंत बाद उनके पास 2016 में बोली थी। इसलिए यह किसी भी तरह से कहानी का अंत नहीं है। और बोली लगाने से मिली विरासत भी एक बहुत मजबूत विरासत है।'

अंतरिक्ष रहस्यों से भरा हुआ है, लेकिन अगर इंसान को बिना किसी सुरक्षा के वहां भेज दिया जाए तो वह कितनी देर तक जिंदा रह पाएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार ओपन स्पेस में इंसान 15 सेकंड से ज्यादा जिंदा नहीं रह सकता।

धरती के अलावा बाकी ग्रहों पर इंसान कितनी देर तक जिंदा रह पाएगा?

लंदन। अगर हम सौरमंडल के अलग-अलग ग्रहों पर जाने की कल्पना करें तो वहां मौत के तरीके भी अलग-अलग होंगे। कहीं जलकर राख हो जाना तय है, तो कहीं ठंड से जमकर मरना। कुछ ग्रहों पर इतनी जहरीली हवा होगी कि सांस लेना भी नामुमकिन हो जाएगा। सौरमंडल के ग्रहों पर इंसान के जिंदा रहने की संभावना नहीं के बराबर है। हर ग्रह पर मौत का तरीका अलग होगा। आइए जानते हैं कि किस ग्रह पर इंसान को किस तरह की मौत का सामना करना पड़ेगा। असल में एक साइंस की जर्नल में इस पर एक केस स्टडी की है। इसमें जॉर्जिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक शामिल थे।

सूर्य पर मौत.. जलकर तुरंत भस्म

अगर कोई इंसान सूर्य पर चला जाए, तो वह तुरंत जलकर भस्म हो जाएगा। मशहूर वैज्ञानिक नील डेग्रास टायसन के अनुसार इंसान सीधे वाष्पित हो जाएगा।

बुध ग्रह- या तो जलकर मरो या ठंड से जमकर : बुध ग्रह पर दो तरह की मौतें हो सकती हैं। इसका एक हिस्सा सूरज की ओर रहता है जहां तापमान 426C तक पहुंच सकता है। यहां इंसान चंद सेकंड में जलकर राख हो जाएगा। दूसरी तरफ ग्रह का दूसरा हिस्सा -178C तक ठंडा होता है। जहां इंसान जमकर मर जाएगा।

शुक्र ग्रह- गर्मी और जहरीली हवा से मौत

शुक्र ग्रह का तापमान 452C तक पहुंच जाता है। यानी इंसान यहां कुछ ही पलों में जल जाएगा। इसके अलावा यहां की हवा सल्फ्यूरिक एसिड से भरी होती है। जिससे सांस लेना नामुमकिन होगा। कुल मिलाकर यहां मौत बहुत दर्दनाक होगी।

मंगल ग्रह- सांस रुकने से मौत : एलन मस्क मंगल पर बसने का सपना देख रहे हैं, लेकिन यहां जीवन मुश्किल है। मंगल पर न तो सही वातावरण है और न ही पर्याप्त ऑक्सीजन। यहां इंसान तब तक जिंदा रहेगा, जब तक उसकी सांस नहीं रुक जाती।

बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून- गैस के समुद्र में डूबकर मौत

ये सभी ग्रह गैस के बने हुए हैं और इनमें ठोस जमीन नहीं है। अगर कोई इंसान इन ग्रहों पर जाएगा तो वह गैस के बादलों में गिरता जाएगा और दबाव बढ़ने के कारण कुचलकर मर जाएगा।

कौन-सी मौत ज्यादा भयानक?

अगर इंसान को सौरमंडल के ग्रहों में से किसी एक पर मरना हो तो वह या तो ठंड से जमेगा, जलकर राख हो जाएगा या फिर दबाव के कारण कुचलकर मरेगा। शुक्र और मंगल पर मौत ज्यादा पीड़ादायक होगी, जबकि बृहस्पति और शनि पर मौत इतनी जल्दी होगी कि महसूस करने का भी समय नहीं मिलेगा।

रोचक खबरें

अजब-गजब पौधा : जानवरों की बीमारी का रामबाण इलाज है ये पौधा, छूते सिकुड़ जाती हैं पत्तियां

छतरपुर। छतरपुर जिले में एक ऐसा भी अजब-गजब पौधा पाया जाता है, जिसके बारे में बहुत ही कम लोग जानते हैं। इस पौधे की विशेषता यह होती है कि इसकी पत्तियों को छूने से यह सिकुड़ जाती है। साथ ही इसका औषधि के तौर पर भी उपयोग होता है। शिक्षक देवसिंह अहिरवार बताते हैं कि साइंस डिपार्टमेंट के टीचर राकेश अहिरवार ने स्कूल में बोटेनिकल गार्डन के रूप में लाजवंती (छुईमुई) का पौधा लगवाया है। ताकि बच्चे देख सकें और उसका महत्व समझ सकें। आयुर्वेद में विभिन्न प्रकार के महत्व बताए गए हैं। शिक्षक बताते हैं कि छुईमुई का पौधा औषधि के तौर पर बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। जानवरों से संबंधित बीमारियों में इस औषधि की जड़ बहुत काम आती है। जब मादा जानवर प्रेग्नेंट होती हैं जैसे प्रेग्नेंट भैंस है और वह कमजोर है तब एक ग्रेनी नाम की बीमारी होती है। इस बीमारी में जानवर की योनि से बेली निकलने लगती है तो फिर छुईमुई की जड़ को पीसकर हाथ में लगाकर बेली के सामने दिखाया जाता है तो बेली सिकुड़कर अंदर हो जाती है। शिक्षक बताते हैं कि लाजवंती औषधि को छुईमुई के नाम से भी जानते हैं, क्योंकि इस औषधि की पत्तियों को छूते ही ये सिकुड़कर बंद हो जाती हैं। हालांकि, कुछ देर बाद फिर से पत्तियां खुल जाती हैं।

शिक्षक की विदाई का नहीं देखा होगा ऐसा भावुक पल, फूट-फूटकर रोने लगे छात्र-छात्राएं

गोपालगंज। गुरु-शिष्य की परंपरा को लेकर कई कहानियां आपने देखी और सुनी होंगी। गोपालगंज के एक सरकारी स्कूल में एक ऐसा वाकया सामने देखने को मिला, जिसने इस परंपरा को लेकर एक और बड़ी मिसाल पेश की है। विद्यालय के एक शिक्षक के रिटायर होने के बाद उनकी विदाई हो रही थी। इस दौरान स्कूल की छात्र-छात्राएं उस शिक्षक से लिपट कर फूट-फूट कर रोने लगे। छात्रों को रोते देख विदा हो रहे शिक्षक भी रोने लगे। यह दृश्य देख विद्यालय के अन्य शिक्षक व ग्रामीणों की भी आंखें भर आई। पूरा माहौल गमगीन हो गया। यह वाक्या भोरे प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय मध्य विद्यालय का है, जहां के सहायक शिक्षक अशोक श्रीवास्तव के सेवानिवृत्ति के बाद विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया। स्कूल के प्राचार्य तथा अन्य शिक्षकों ने विदा हो रहे शिक्षक के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए उनके बेहतर कार्यों की तारीफ की, लेकिन जब कार्यक्रम का समापन हुआ और शिक्षक विद्यालय से जाने लगे तो छात्र-छात्राएं उनसे लिपट कर रोने लगे। विदाई का यह दृश्य देखकर गांव वाले भावुक थे। उनका कहना था कि ऐसा दृश्य तो किसी बेटी की विदाई के समय देखा जाता है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि शिक्षक अशोक श्रीवास्तव का कार्यकाल काफी बेहतर रहा। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए काफी नए प्रयास किए। छात्र-छात्राओं से भी उनका काफी बेहतर जुड़ाव था, जिस कारण उनके विदा होते ही छात्र-छात्राएं होने लगे। वहीं, सेवानिवृत शिक्षक अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है। विद्यालय के शिक्षकों का भरपूर सहयोग हमें मिला है। इसके साथ ही बच्चों ने भी पठन-पाठन में मेरा साथ दिया है, जिसे हम कभी भुला नहीं सकते।

सोच-समझ कर : महिला ने सुन्दर दिखने के लिए करवाई सर्जरी, चेहरा हो गया बर्बाद

लंदन। भगवान ने दुनिया की हर चीज को काफी सोच-समझ कर बनाया है। हर एक चीज को भगवान ने खूबसूरत बनाया है। चाहे वो इंसान हो या जानवर। जिंदा रहने के लिए जिसे जैसी जरूरत होती है, वैसा ही भगवान उसे बनाकर भेजता है। लेकिन, इंसानों में कई बार संतुष्ट नहीं होता। खासकर महिलाओं के मन में अपने लुक्स को लेकर कई बार ऐसी असंतुष्टि जाग जाती है, जिसके बाद वो किसी भी हद तक चली जाती है। मेकअप तक तो ठीक था, लेकिन अब महिलाएं सर्जरी के जरिये भी अपने चेहरे में बदलाव लाने की कोशिश करती हैं। मार्केट में कई तरह के कॉस्मेटिक सर्जरी के ऑप्शन आ गए हैं, जिसकी मदद से लोग अपने चेहरे के नक़्शे को बदलते नजर आ रहे हैं। कोई अपनी नाक को ठीक करवाता है तो कोई चेहरे के कटिंग को। इस सर्जरी के लिए लोग अच्छे-खासे पैसे भी देने को तैयार होते हैं। मार्केट भी लोगों की इस जरूरत को बखूबी भुनाने में लगा है। यही वजह है कि अब हर कुछ दूरी पर आपको कॉस्मेटिक सर्जरी के क्लिनिक्स नजर आ जाएंगे। लेकिन, इसी के साथ अब धोखे की दुकान भी खुलने लगी है। यूं तो कॉस्मेटिक सर्जरी का प्रोसीजर काफी महंगा आता है, लेकिन कई बार कुछ ढोंगी ज्यादा क्लाइंट्स को आकर्षित करने के लिए बिना ख़ास क्वालिफिकेशन के क्लीनिक खोल देते हैं। वो अपने क्लाइंट्स को सस्ते दाम में सर्जरी का झांसा देते हैं। ऐसे ही झांसे में फंसकर इस महिला ने अपना चेहरा बर्बाद कर लिया। सोशल मीडिया पर महिला का बोटॉक्स फेसलिफ्टिंग के बाद का रिजल्ट शेयर किया। इस प्रोसीजर में चेहरे की झुर्रियां खत्म कर स्किन को टाइट कर दिया जाता है।

अमेरिकी कंपनी ने चांद अपना अंतरिक्ष यान उतारकर इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला यह दूसरा निजी मिशन था।

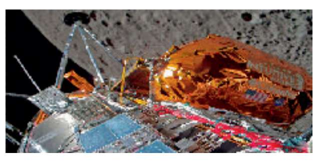

अमेरिकी कंपनी का कमाल, चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास में लिखवाया नाम

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट मिशन 1, रविवार 2 मार्च को अमेरिका के स्थानीय समयानुसार सुबह 3:34 बजे चंद्रमा के उत्तरपूर्वी हिस्से में उतरा। टेक्सास के ऑस्टिन में मिशन कंट्रोल रूप में जब इसकी घोषणा की गई तो टीम खुश से झूम उठी। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की कमर्शियल लूनर पेलो सर्विस पहल के हिस्से के रूप में ब्लू घोस्ट मिशन 1 चांद पर 10 वैज्ञानिक और तकनीकी उपकरण पहुंचाए।

चंद्रमा की सतह से ली गई पहली तस्वीर

चंद्रमा पर लैंड करने के बाद ब्लू घोस्ट ने चांद की सतह से ली गई अपनी पहली तस्वीर भेजी है, जो जबर्दस्त है। फायरफ्लाई एयरोस्पेस द्वारा पहली सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि स्नैपशॉट में ब्लू घोस्ट की सभी खूबियां समाहित हैं। साहसिक महत्वाकांक्षा, अजेय प्रेरणा और नवाचार की भावना। कंपनी ने कहा कि यह तस्वीर उस टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है जिसने चंद्रमा पर इस अग्रणी मिशन को बनाया।

15 जनवरी को हुई था लॉन्च

नासा से समर्थित इस मिशन का उद्येश्य भविष्य में लागत को कम और आर्टेमिस का समर्थन करना है। अमेरिका के महत्वपूर्ण आर्टेमिस कार्यक्रम को अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस लाने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग एक दरियाई घोड़े के आकार का यह लैंडर इसी साल 15 जनवरी को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था, जिसने रास्ते में पृथ्वी और चंद्रमा के आश्चर्यजनक दृश्य लिए थे।

चांद पर लैंडिंग करने वाली दूसरी निजी कंपनी

इस सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही फायरफ्लाई दूसरी निजी कंपनी बन गई है, जिसने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। इसके पहले ह्यूस्टन स्थित इंट्यूटिव मशीन्स ने पिछले साल ओडीसियस लैंडर ने सफल लैंडिंग कराई थी। इसके पहले भारत समेत पांच देश, सोवियत संघ, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ही ऐसा कर पाए थे। पूर्ण चंद्र दिवस (पृथ्वी के 14 दिन) के दौरान संचालित करने के लिए डिजाइन किया गए ब्लू घोस्ट के 14 मार्च को पूर्ण ग्रहण की हाई-क्वालिटी की तस्वीरों को कैप्चर करने की उम्मीद है, जब पृथ्वी चंद्रमा के क्षितिज से सूर्य को ब्लॉक करती है। 16 मार्च को यह चंद्र सूर्यास्त को रिकॉर्ड करेगा। यह इस बात की जानकारी देगा कि सौर प्रभाव के तहत सतह से धूल कैसे उड़ती है।

शख्स ने 20 बीवियों से की शादी, पैदा कर चुके हैं 104 बच्चे

नई दिल्ली। आजकल इंसान शादी करके एक बीवी और दो बच्चे पाल ले, यही बड़ी बात है। लेकिन, कुछ लोग इतने हिम्मती होते हैं कि वो 20-20 शादियां कर लेते हैं। आप सोचकर ही हैरान हो रहे होंगे कि आखिर कोई कैसे इतनी पत्नियों को संभालता होगा तो आपको बता दें कि आज हम आपको जिस शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, उसकी 16 पत्नियां एक साथ ही रहती हैं और बिल्कुल बहनों की तरह।

आपने बहुत बड़े-बड़े परिवार देखे होंगे, जिसमें 40-50 सदस्य हों। हालांकि, आज हम आपको जिन शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, उन्होंने मज़ाक-मज़ाक में 20 शादियां कर डालीं। इनमें से 4 पत्नियों की मौत हो गई और इस वक्त उनकी 16 बीवियां हैं, जिनका एक लंबा परिवार है, जो एक साथ एक ही छत के नीचे रहता है। उनमें आपस में किसी तरह का बैर नहीं है।

पिता के कहने पर की शादियां

एक रिपोर्ट के मुताबिक तंज़ानिया के छोटे से गांव में रहने वाले कपिंगा नाम के शख्स ने ऐसा घर बसाया कि दुनिया भर में मशहूर हो गए। अफ्रीकन आदमी की इस वक्त 16 पत्नियां हैं, 104 बच्चे हैं और 144 नाती-पोते हैं। उनका घर नहीं पूरा एक गांव है, जहां खाना-पीना किसी भंडारे की तरह बनता है। घर में हर वक्त मानो मेला सा लगा रहता है। कपिंगा ने 1961 में अपनी पहली शादी की थी और एक बच्चे को जन्म दिया था। उनके पिता ने उन्हें परिवार और बढ़ाने के लिए कहा और प्रस्ताव रखा कि वो और शादियां करेंगे, तो वे उन्हें दहेज के पैसे देंगे।

गुंडराजगुडेम मुठभेड़ में मारे गए 10 लाख के 2 इनामी नक्सली की हुई शिनाख्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सुकमा जिले के गुंडराजगुडेम मुठभेड़ में मारे गए 2 माओवादियों की शिनाख्त हो गई है। जिसमें पामेड़ एरिया कमेटी में सक्रिय महिला माओवादी सोड़ी लिंगे एसीएम एवं पुरूष माओवादी पोड़ियाम हड़मा एसीएम कैडर के हैं। इन दोनों पर कुल 10 लाख का इनाम घोषित था। घटना स्थल से रायफल सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया गया है।

- भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद
- एक बीजीएल लांचर, एक 12 बोर बंदूक, वायरलेस सेट सहित अन्य सामान बरामद

एसपी सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में सोड़ी लिंगे एरिया पडियारो पोल्लो अध्यक्ष पर 5 लाख और पोड़ियाम हड़मा जनताना सरकार अध्यक्ष निवासी बीजापुर पर 5 लाख का इनाम था। घटनास्थल से एक बीजीएल लांचर, एक 12 बोर बंदूक, 5 बीजीएल सेल, पांच 12 बोर रायफल के जिंदा राउंड 1 वायरलेस सेट, 4 बीजीएल कॉटीज, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया गया है।

आने वाले दिनों में मिलेंगे अच्छे परिणाम

बस्तर पुलिस एवं क्षेत्र में तैनात डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ, सीएएफ एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल लोकतंत्र की रक्षा व क्षेत्र की शांति के लिए अपनी जान की परवाह न करते हुए कार्य कर रही है। आने वाले दिनों में इस दिशा में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

सुन्दरराज पी., आईजी बस्तर

गोलगप्पे के ठेले पर लिखी ऐसी शायरी, दौड़-दौड़कर आने लगे कस्टमर

भारत के सबसे ज्यादा लोकप्रिय स्ट्रीट फूड में से एक गोलगप्पे हैं। आप कहीं पर भी चले जाएं, गोलगप्पे के कई ठेले आपको मिल जाएंगे। इसी से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि लोगों को इसका स्वाद कितना ज्यादा पसंद होता है। जो गोलगप्पे के फैन होते हैं, उन्हें सस्ते से सस्ते और अच्छे से अच्छे गोलगप्पे के ठेले का पता मालूम रहता है। एक ऐसा ही ठेला इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पानीपुरी खाने के शौकीन लोगों गोलगप्पे खाने के लिए कभी भी इनवाइट किया जा सकता है। एक गोलगप्पे वाले भैया ने अपने ग्राहकों को इनवाइट करने का ज़बरदस्त तरीका ढूंढ निकाला है। कई बार दुकानों को पॉपुलर बनाने के लिए दुकानदार कुछ ऐसा जुगाड़ ढूंढकर लाते हैं, जो हिट हो जाता है। इस वक्त एक गोलगप्पे वाले का ठेला भी उसकी दिलचस्प शायरी की वजह से चर्चा में है।

10 साल की पहेली को एआई ने 2 दिन में ही सुलझाया

न्यूयार्क। दुनिया के वैज्ञानिक एक सवाल का जवाब ढूंढने में 10 साल से लगे थे, लेकिन एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल ने वही सवाल सिर्फ 2 दिनों में हल कर दिया। इम्पीरियल कॉलेज लंदन के प्रोफेसर जोस आर पेनाडेस और उनकी टीम यह समझने की कोशिश कर रही थी कि कुछ सुपरबग्स यानी खतरनाक बैक्टीरिया एंटीबायोटिक्स के खिलाफ ताकतवर कैसे बन जाते हैं। जब उन्होंने गूगल के नए एआई टूल 'को-साइंटिस्ट' से इस पर सवाल किया तो उन्हें तुरंत जवाब मिल गया। यह वही जवाब था जिसे ढूंढने में उनकी टीम को एक दशक लग गया था!

क्या एआई ने रिसर्च चुरा ली : प्रोफेसर को लगा कि कहीं एआई ने उनकी रिसर्च चोरी तो नहीं कर ली। उन्होंने तुरंत गूगल को ईमेल किया और पूछा कि क्या आपके पास मेरे कंप्यूटर की जानकारी थी? गूगल ने इस बात से साफ इनकार कर दिया। वैज्ञानिकों का कहना है कि उनकी रिसर्च में सबसे ज्यादा समय अपने सिद्धांत (थ्योरी) को साबित करने में लग गया। अगर उन्हें पहले ही एआई की दी हुई जानकारी मिल जाती तो उनका काम बहुत आसान हो जाता।

एआई ने दिए और भी नए जवाब : गूगल के इस एआई टूल ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि चार और नए उत्तर भी दिए। इनमें से एक तो ऐसा था जिसके बारे में वैज्ञानिकों ने कभी सोचा ही नहीं था। अब वे उस पर आगे रिसर्च कर रहे हैं। प्रोफेसर पेनाडेस ने कहा कि यह कोई मामूली टूल नहीं है। इसने न केवल हमारी रिसर्च को सही साबित किया, बल्कि ऐसी बातें भी बताईं जो हमें अब तक नहीं पता थीं।

क्या एआई विज्ञान की दुनिया बदल देगा?

आजकल एआई को लेकर खूब चर्चा हो रही है। कुछ लोग इसे वैज्ञानिक तरक्की मानते हैं तो कुछ इसे नौकरियों के लिए खतरा बता रहे हैं। प्रोफेसर पेनाडेस का मानना है कि एआई एक बहुत ही ताकतवर और मददगार टूल साबित होगा। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि एआई विज्ञान की दुनिया को बदल देगा। यह ऐसा है, जैसे मुझे किसी बड़े मुकाबले में खेलने का मौका मिल गया हो, जैसे मैं एआई के साथ चैंपियंस लीग का मैच खेल रहा हूं!

गूगल का एआई कैसे काम करता है?

प्रोफेसर पेनाडेस और उनकी टीम ने इस एआई टूल से एक छोटा-सा सवाल पूछा। सिर्फ 48 घंटे में एआई ने सही जवाब दे दिया। यह देखकर वैज्ञानिक हैरान रह गए, क्योंकि इस जानकारी को अब तक किसी ने पब्लिश नहीं किया था। उन्होंने बताया कि जब मैंने एआई का जवाब देखा तो मैं खरीदारी कर रहा था। मैंने तुरंत अपने साथ वाले व्यक्ति से कहा, मुझे कुछ समय अकेला छोड़ दो, मुझे इस पर सोचने की जरूरत है।

रोग | दुनिया के एक इलाके में ये हर साल मार रही है लोगों को

बहुत दुर्लभ है ये रोग, नाम करता है कनफ्यूज

एजेंसी ⏭ लंदन

क्या हंसी का कोई रोग भी होता है? आपको भले ही यह सवाल बेतुका सा लगे। इसका संबंध एक दुर्लभ रोग से है। इसे करीब 50 साल पहले ही खोजा गया था। सबसे अजीब बात ये है कि इसका हंसी से लेना देना है ही नहीं, लेकिन दुर्लभ होने क बाद भी दुनिया के एक इलाके में ये लोगों को हर साल मार रही है। हम बात कर रहे हैं कुरू की। इसे लाफिंग सिकनेस भी कहा जाता है। सबसे अजीब बात बीमारी का नाम नहीं, बल्कि वह वजह है जिससे ये लोगों में हो जाती है।

और भी हैं इसके नाम : कुरू नाम आपको बहुत ही अजीब लगे या भारतीय पौराणिक कथाओं को लगे। लेकिन, जब लोग इसके दूसरे नाम जैसे कि लाफिंग डिसीज या लाफिंग डेथ नाम सुनते हैं, तो इनकी जिज्ञासा बढ़ जाती है। इसकी कहानी रोचक है इसे 1950 के दशक में पपुआ न्यू गिनी में खोजा गया था, इसकी पड़ताल ने शोधकर्ताओं को हैरान कर रख दिया था।

एक अजीब सा रोग

जब शोधकर्ता इस इलाके में पहुंचे तो वहां की फोर जनजाति से संपर्क करने के बाद उन्हें एक अजीब बात दिखी। उन्होंने पाया कि 11 हजार की आबादी वाली जनजाति में एक अजीब सा रोग फैला है, जिसकी वजह से हर साल करीब 200 लोगो मौत के मुंह में जा रहे हैं। शुरू में दो उन्हें लगा कि यह रोग किसी संक्रमण या जेनिटिक्स की वजह से हो रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह रोग तब होता है जब कोई दिमाग का संक्रमित हिस्सा खा लेता है। इसका असर और भी खतरनाक और अजीब है। यह सीधा मस्तिष्क पर असर करता है।

एक बहुत ही अलग वजह

शोधकर्ताओं ने ज्यादातर बच्चों और वयस्क महिलाओं को होने वाले रोग की पड़ताल की। तब उसके नतीजे ने उन्हें हैरान करके रख दिया, क्योंकि यह रोग परिवार के मरे लोगों का दिमाग खाने की परंपरा की वजह से हो रहा था। शोधकर्ताओं ने इंस्टाग्राम पोस्ट समझाते हुए बताया कि यह रोग होता कैसे है।

क्यों है ये परंपरा

पोस्ट के मुताबिक एक शोधकर्ता ने समझाया कि जब शरीर गाड़ा जाता है, तो उसे कीड़े खा लेते हैं और अगर उसे प्लेटफॉर्म पर जाए तो उड़ने वाले कीड़े खाने लगते हैं। फोर जनजाति के लोग मानते थे कि इससे कि परिवार के मृतक का शव कीड़े खा जाएं,यह बेहतर होगा कि उसे परिवार के अन्य सदस्य खा लें। लेकिन ,जल्दी ही ये परंपरा बंद कर दी गई।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
PRP तकनीक द्वारा गंजेपन का ईलाज
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9424201700

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com